दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-34 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 12 फरवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री ने कालिदास अकादमी उज्जैन में किया कार्यक्रम को संबोधित

सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का बढ़ेगा गौरव : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में बने महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनाया है। मोक्षदायिनी शिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ-2028 के लिए तैयार हो रहा है। भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित की जा रही हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमि-पूजन हो रहा है।

हरियाखेड़ी और गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल बनेंगे

हरियाखेड़ी एवं गंभीर पर 2 नए इंटेक वेल का निर्माण किया जा रहा है। अंबोदिया (70 एमएलडी), गौघाट (80 एमएलडी) एवं हरियाखेड़ी (100 एमएलडी) में नए जल शोधन संयंत्रों का निर्माण होगा। जिनकी क्षमता 250 एमएलडी होगी। उक्त जल शोधन यंत्री से मौजूदा 7 जल शोधन संयंत्रों (कुल 151 एमएलडी क्षमता) को मजबूत एवं उन्नत किया जाएगा।

17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे

परियोजना अंतर्गत 600 से 3000 किलो लीटर क्षमता के 17 नए ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। योजना अंतर्गत 708 किमी पाइप लाइन रहेगी। जिसमें लगभग 534 किलोमीटर लंबा नया वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा शुद्ध पानी के लिए 150 से 800 मिमी व्यास की क्लियर वॉटर पाइपलाइन (लगभग 136 किलोमीटर) बिछाई जाएगी।

पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता और समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जब विश्व में सभी ओर साम्यवाद और समाजवाद की विचारधाराओं का प्रभाव था, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को निरंतरता प्रदान करने का प्रभावी प्रयास था। पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता तथा समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक, संगठनकर्ता और भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक रहे। दीनदयाल जी का विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है.

अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बच्चों से कुकर्म का आरोप

प्रयागराज। जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज ने शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर में बच्चों के यौन शोषण का आरोप लगाया है। उन्होंने 8 फरवरी को प्रयागराज की स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में याचिका दायर करके कहा- गुरुकुल की आड़ में वह बाल उत्पीड़न करते हैं। अपने आरोपों की पुष्टि के लिए आशुतोष ब्रह्मचारी ने 2 बच्चों को भी पेश किया। उन्होंने कहा- अविमुक्तेश्वरानंद अवैध गतिविधियों में शामिल हैं। उनके पास आय से अधिक संपत्ति है। इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। कोर्ट के नोटिस पर अविमुक्तेश्वरानंद के वकील ने 10 फरवरी तक जवाब दाखिल करके आशुतोष महाराज पर आरोप लगाए। अब 20 फरवरी को दोनों पक्षों के वकील कोर्ट में पेश होंगे।

रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष महाराज ने याचिका दायर की, 2 बच्चे कोर्ट में पेश किए

पहले पुलिस कमिश्नर से शिकायत की, फिर कोर्ट गए

24 जनवरी यानी मौनी अमावस्या के 6 दिन बाद आशुतोष महराज ने प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर से अविमुक्तेश्वरानंद की 2 शिकायतें की थीं। पहली शिकायत में आरोप लगाया कि अविमुक्तेश्वरानंद के शिविर और गुरुकुल में नाबालिग बच्चों को रखा जाता है। उनसे निजी सेवा, भीड़ जुटाने, कार्यक्रमों और पालकी उठवाने जैसे काम कराए जाते हैं।

अमेरिका ने इंडियन मैप वाला पोस्ट हटाया

वॉशिंगटन। अमेरिका ने बुधवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) और अक्साई चिन (चीन के कब्जे वाला इलाका) को भारत का हिस्सा दिखाने वाला पोस्ट डिलीट कर दिया है। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव ने 7 फरवरी को भारत-अमेरिका के बीच हुए ट्रेड एग्रीमेंट के बाद किए गए पोस्ट में इंडियन मैप शेयर किया था। जारी होने के बाद यह नक्शा चर्चा में आ गया था। अब तक अमेरिकी एजेंसियां इंडियन मैप में पीओके और अक्साई चिन को विवादित इलाके के तौर पर अलग रंग या डॉटेड लाइन्स से दिखाती थी। हालांकि, इस पोस्ट में ऐसा कोई निशान या लाइन नहीं थी, बल्कि पूरे क्षेत्र को भारत का अभिन्न हिस्सा दिखाया गया था। इस बदलाव के बाद कई एक्सपर्ट का कहना था कि पाकिस्तान और चीन के साथ अमेरिका के रिश्तों में तनाव के बीच यह कदम भारत के समर्थन का संकेत हो सकता है। वहीं, कुछ लोगों ने इसे गलती से जारी हुआ बताया। इन तमाम अटकलों के बीच अब ने यह पोस्ट हटा दिया है। हालांकि, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अमेरिका के मैप शेयर करने से पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 5 फरवरी को बयान जारी कर कहा था कि कश्मीर पाकिस्तान का हिस्सा बनेगा।

पीओके-अक्साई चिन को भारत का हिस्सा दिखाया था; पाकिस्तान-चीन से तनाव की अटकलें लगी थीं

राहुल गांधी के दावों पर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी का जवाब-

एपस्टीन से 3-4 प्रोफेशनल मीटिंग हुई यौन अपराधी से संबंध का आरोप बेबुनियाद

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि वह यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन या चार बार मिले थे। यह बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी, जो इंडिपेंडेंट कमीशन ऑन मल्टीलेटरलिज्म और दूसरे इंटरनेशनल कामों से जुड़ी थी। पुरी ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के लोकसभा में एपस्टीन विवाद में उनका नाम लेने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने एपस्टीन के आपराधिक मामलों से अपना कोई संबंध होने के आरोपों को बेबुनियाद बताया। पुरी ने कहा, जब मैंने मई 2009 से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला था, तब से लेकर 2017 में मंत्री बनने तक की अवधि के 30 लाख ईमेल जारी किए गए हैं।

कांग्रेस का दावा- अनिल अंबानी ने एपस्टीन से मदद मांगी

कांग्रेस ने 1 फरवरी को लगातार दूसरे दिन एपस्टीन फाइल्स का मुद्दा उठाया था। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने दो पोस्ट ङ्क पर शेयर की। इनमें अनिल अंबानी और अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच 16 मार्च 2017 को हुई चैट का स्क्रीनशॉट शेयर किया।अनिल अंबानी चैट में एपस्टीन से कुशनर और बैनन (ट्रम्प के करीबी) से मुलाकात में उसकी मदद मांगते नजर आ रहे हैं।

पुरी बोले- किसी भी तरह की गलत गतिविधि से कोई लेना-देना नहीं

पुरी ने यह भी बताया कि वे लिंक्डइन के संस्थापक रीड हॉफमैन से भी मिले थे, लेकिन यह मुलाकात भारत में इंटरनेट और कारोबार के अवसरों पर पेशेवर चर्चा के लिए थी। पुरी ने साफ कहा कि इन मुलाकातों का किसी भी तरह की गलत गतिविधि से कोई लेना-देना नहीं था। उन्होंने कहा कि वे उस समय एक निजी नागरिक के रूप में भारत के अवसरों के बारे में अपनी समझ साझा कर रहे थे।

मेल में एक अपराधी की मनगढ़ंत बातें

एपस्टीन फाइल्स पर विदेश मंत्रालय का बयान भी आया था। इसमें लिखा- हमने एपस्टीन फाइल्स से जुड़े एक ई-मेल को लेकर आई खबरें देखीं, जिनमें पीएम के इजराइल दौरे का जिक्र है।

मंत्रियों के यात्रा भत्ता का पेमेंट अब चेक से नहीं

भोपाल। मोहन सरकार के मंत्रियों को मिलने वाले यात्रा भत्ते के भुगतान के लिए अब चेक स्वीकार नहीं किए जाएंगे। वित्त विभाग ने नए नियम जारी करते हुए कहा है कि ई चेक से ही यात्रा भत्ते का भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही वित्त विभाग के नए नियमों में यह व्यवस्था भी लागू कर दी गई है कि किसी भी विभाग का नया खाता वित्त की परमिशन के बगैर नहीं खुलेगा। पांच साल तक अगर किसी खाते में लेन देन नहीं हुआ है तो इसे बंद करने का फैसला भी वित्त विभाग ही लेगा। साथ ही किसी खाते में राशि जमा होने पर ब्याज लेना है या नहीं लेना है, इसका फैसला भी वित्त विभाग ही करेगा। वित्त विभाग ने कोषालय नियम 2020 में बदलाव कर नए नियम लागू कर दिए हैं। इसमें साफ किया गया है कि यात्रा भत्ता का भुगतान ई चेक से होगा, चाहे वह भुगतान शासकीय सेवकों से संबंधित हो या मंत्रियों को किया जाने वाला यात्रा भत्ता भुगतान से जुड़ा मामला हो, फिजिकल चेक नहीं स्वीकार किए जाएंगे। पहले यह भुगतान फॉर्म-23 भरकर किया जाता था, जिसमें चेक के जरिए राशि दी जाती थी। नियमों में संशोधन के बाद अब पेंशन एवं ग्रेच्युटी का भुगतान ई-हस्ताक्षर के माध्यम से किया जाएगा। वित्त नियमों में कहा गया है कि सरकार को नुकसान से बचाने के लिए सिक्योरिटी की रमक अब सावधि जमा रसीद राष्ट्रीय बचत पत्र किसान विकास पत्र वित्त विभाग द्वारा निर्धारित अन्य प्रपत्र के जरिये ली जा सकेगी। इन दस्तावेजों को स्वीकार करने से पहले कोषालय अधिकारी द्वारा पुष्टि की जाएगी।

नए वित्त नियम लागू, ई चेक से ही होंगे भुगतान, फाइनेंस की परमिशन पर ही नए बैंक खाते खुलेंगे

सरकार ने जारी किया आदेश

सार्वजनिक समारोहों में वंदे मातरम के छह छंद अनिवार्य

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने आधिकारिक मौकों पर वंदे मातरम् के छह अंतरा वाले संस्करण को बजाना या गाना अनिवार्य कर दिया है, जिसकी कुल अवधि 3 मिनट और 10 सेकंड होगी। यह नियम राष्ट्रीय ध्वज फहराने, कार्यक्रमों में राष्ट्रपति के आगमन, उनके भाषणों या राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले और बाद में लागू होगा। सके साथ ही, राज्यों के राज्यपालों के आगमन और उनके भाषणों से पहले और बाद में भी इसी निर्धारित अवधि और संस्करण का पालन करना जरूरी किया गया है। सरकार के इस आदेश का मकसद आधिकारिक प्रोटोकॉल के तहत राष्ट्रीय गीत के सम्मान और उसकी प्रस्तुति में एकरूपता सुनिश्चित करना है।

वंदे मातरम् क्या है?

कुछ लोग कहते हैं कि वंदे मातरम पहले पूरे भारत का राष्ट्रगान नहीं था, बल्कि यह बंगाल के लिए एक गीत के तौर पर शुरू हुआ था। बंकिम चंद्र चटर्जी ने यह गीत बहुत ज्यादा संस्कृत वाली बंगाली भाषा में लिखी थी और इसे 7 नवंबर 1875 को बंगदर्शन जर्नल में छापा था। बाद में यह उनके नॉवेल आनंदमठ (1882) में छपा। जो मातृभूमि के लिए एक साहित्यिक गीत के तौर पर शुरू हुआ, वह भारत के आज़ादी के संघर्ष की धड़कन बन गया, एक ऐसा गीत जिसे सैनिक लड़ाई से पहले फुसफुसाते थे और छात्र विरोध के तौर पर गाते थे।

अध्ययन से खुलासा...

मेनोपॉज का असर दिमाग पर भी चिंता-अवसाद का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

मेनोपॉज को अक्सर केवल हार्मोन और शारीरिक बदलाव से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन नई वैज्ञानिक स्टडी बताती है कि इसका असर महिलाओं के दिमाग पर भी गहरा पड़ता है। शोध में पाया गया है कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं में याददाश्त, भावनात्मक संतुलन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े बदलाव साफ दिखते हैं। इस दौर में चिंता, अवसाद और नींद की परेशानी के मामले बढ़ जाते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार मेनोपॉज के बाद मस्तिष्क के उन हिस्सों में ग्रे मैटर की मात्रा कम पाई गई, जो स्मृति और भावनात्मक नियंत्रण से जुड़े होते हैं। यह बड़ी स्टडी यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के वैज्ञानिकों ने की है और इसे साइकोलॉजिकल मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित किया गया। अध्ययन में बड़ी संख्या में महिलाओं के स्वास्थ्य और मस्तिष्क से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

मानसिक तनाव और उदासी ज्यादा

अध्ययन में यह भी सामने आया कि मेनोपॉज के बाद की महिलाएं मानसिक तनाव, बेचैनी और उदासी की शिकायत लेकर डॉक्टर या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ के पास ज्यादा पहुंचीं। उन्होंने खुद भी ज्यादा उदासी महसूस करने की बात कही। ऐसे मामलों में डिप्रेशन की दवा दिए जाने की संभावना भी अधिक पाई गई।

शिकंजा | असली की सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार लाई सख्त नियम- बदलाव 20 फरवरी से लागू होंगे

एआई वीडियो अब नहीं चलेंगे, तीन घंटे में हटेगा नकली कंटेंट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बने कंटेंट को लेकर नए नियम नोटिफाई कर दिए हैं। इन नियमों का सीधा असर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और डिजिटल कंपनियों पर पड़ेगा। अब इंटरनेट पर जो भी कंटेंट एआई टूल्स से बनेगा, उसे साफ तौर पर लेबल करना जरूरी होगा। ये बदलाव 20 फरवरी 2026 से लागू होंगे। पिछले कुछ समय में डीपफेक वीडियो, फर्जी तस्वीरें और नकली ऑडियो तेजी से फैलते दिखे हैं। आम यूजर के लिए असली और नकली में फर्क करना मुश्किल हो गया है। सरकार का मानना है कि इसी वजह से गलत जानकारी, बदनामी और धोखाधड़ी के मामले बढ़े हैं। नए नियम इसी खतरे को कंट्रोल करने की कोशिश हैं। सरकार ने अब सिंथेटिक कंटेंट की साफ परिभाषा दी है। इसका मतलब ऐसे ऑडियो, वीडियो, फोटो या विजुअल्स से है जो कंप्यूटर या एल्गोरिदम से बनाए गए हों और देखने में बिल्कुल असली लगें।

पहले लगते थी 36 घंटे

सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को एआई से बने गलत या गैरकानूनी कंटेंट को तीन घंटे के अंदर हटाना होगा। पहले यह समय सीमा 36 घंटे थी। मतलब डीपफेक वीडियो, फर्जी या भड़काऊ कंटेंट फैल रहा है, तो उसे तुरंत एक्शन लेना होगा।

इन धाराओं में होगी कार्रवाई

केंद्र सरकार ने यह भी तय किया है कि सोशल मीडिया कंपनियों को हर तीन महीने में यूजर्स को नियमों की जानकारी देनी होगी। यूजर्स को साफ बताया जाएगा कि एआई से बना गैरकानूनी या आपत्तिजनक कंटेंट शेयर करने पर आईटी एक्ट, नए क्रिमिनल कानून, पॉक्सो और दूसरे कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है।

लेबलिंग जरूरी

नए नियमों में एक और अहम बात है पहचान और लेबलिंग। सोशल मीडिया कंपनियों को ऐसे टूल्स लगाने होंगे जो एआई से बने कंटेंट की पहचान कर सकें। ऐसे कंटेंट पर साफ लेबल दिखना चाहिए। इसके साथ एक डिजिटल पहचान या मेटाडेटा जोड़ना होगा जिसे हटाया न जा सके। मकसद यह है कि कोई भी एआई कंटेंट बिना पहचान के घूमता न रहे।

सरकार बोली-वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा नहीं कर सकते:सुप्रीम कोर्ट में कहा-

उनकी जेल में 24 बार जांच हुई, वे पूरी तरह फिट

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की हिरासत से जुड़े मामले में केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वांगचुक को फिलहाल रिहा नहीं किया जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने सरकार से वांगचुक को मेडिकल आधार पर रिहा करने के बारे में पूछा था। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि वांगचुक की जेल नियमावली के तहत अब तक करीब 24 बार मेडिकल जांच हो चुकी है। उन्होंने कहा कि वांगचुक पूरी तरह फिट हैं। उन्हें केवल डाइजेशन (पाचन) की समस्या और संक्रमण हुआ था, जिसका इलाज किया गया है। मेहता ने कहा कि इस तरह की समस्या को अपवाद मानकर उन्हें रिहा किया गया तो आगे अन्य लोग भी इस तरह की मांग करेंग। उन्होंने कहा कि जिन आधारों पर वांगचुक को हिरासत में लिया गया था, वे अभी भी कायम हैं। इसलिए स्वास्थ्य कारणों से रिहाई संभव नहीं है और ऐसा करना सही भी नहीं होगा।

केदारनाथ कॉलेज में स्वास्थ्य जागरूकता स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

नगर संवाददाता, सतना।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय मऊगंज में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तृतीय तिमाही अंतर्गत जिला स्तरीय मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता स्क्रीनिंग एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सोमदत्त पांडे द्वारा किया गया किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी बृजकांत साकेत क्रीड़ा अधिकारी के द्वारा छात्रों को पूर्व से ही जानकारी दी गई थी, जिससे भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए एवं अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्या जिज्ञासा को चिकित्सकों के समक्ष रखा गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा इन छात्र छात्राओं का परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गइं एवं इनका रिकार्ड संधारित किया गया। परीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के डॉ पदम शुक्ला खंड चिकित्सा अधिकारी,डॉ पुष्पेंद्र मिश्रा मेडिकल ऑफिसर,डॉ रुबी श्रीवास्तव ,अब्दुल कादिर,डॉक्टर रामद्वारा साकेत,संदीप सिंह, श्रीमती अलका मिश्रा सुरुचि,आंचल मिश्रा के द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ रामनिवास पटेल सुश्री रूपाली उपाध्याय सुश्री अनीशा मिश्रा द्वारा पंजीयन एवं कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया ।

शा.हाई स्कूल कठेरी में वार्षिकोत्सव संपन्न

नगर संवाददाता, सतना।

गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी मां सरस्वती पूजन उत्साह पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत कठेरी की सरपंच आशा विश्वकर्मा रही। कार्यक्रम प्राचार्य आर.बी. रैना और अनुराग मालवीय के दिशा निर्देशन में महत्वपूर्ण भूमिका के साथ पूजन हवन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जन शिक्षक जोडौरी रजनीश चतुर्वेदी, शिक्षक राजेंद्र प्रसाद मिश्रा, राजेंद्र पाठक, अभिभावक गण छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में छात्राओं ने मनमोहक प्रस्तुति करते हुए भजन गीत गाकर सभी को आनंदित किया। विद्यालय के सभी शिक्षकों ने सहयोग प्रदान किया। राजेंद्र विश्वकर्मा, अरुण सिंह कुशवाहा, रामदयाल साकेत, मंदाकिनी चतुर्वेदी कलावती पाण्डेय, शीला रावत, गौरव कुमार पाण्डेय, उमा पाण्डेय, सविता शुक्ला, ने पूरे कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया सरपंच महोदय द्वारा विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षा में सबसे अधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को नगद राशि 11 सो रुपए से पुरस्कृत किया। विद्यालय की तरफ से सभी छात्रों को पुरस्कार वितरण किया गया। कक्षा 9 की छात्रों ने कक्षा दसवीं के छात्रों को विदाई समारोह रखा गया।

बहन ने लगाया हत्या का आरोप

बुजुर्ग मां की मौत के बाद उलझे भाई-बहन

भाई बोले पोस्टमार्टम करवा लो गलत निकलेगा तो करेंगे केस

नगर संवाददाता, सतना।

शहर के भरहुत नगर इलाके में स्थित हंसविला में मंगलवार की दोपहर उस वक्त अफरातफरी का माहौल निर्मित हो गया जब एक बुजुर्ग महिला की अस्पताल ले जाने के दौरान मौत हो गई। मौके पर मौजूद मृतिका की बेटी ने हत्या का आरोप लगाया तो पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। शव को जिला अस्पताल ले जाया गया जहां दोनों पक्षों में आरोप प्रत्यारोप का दौर चला।

दरअसल भैसाखाना निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला अंजू आसवानी काफी समय तक अकेली रहती थीं। दोनों बेटे अलग रहते थे, जिसके बाद बहन ने उन पर भरणपोषण न करने का आरोप लगाते हुए कलेक्टर से शिकायत कर दी।बेटे इसके बाद मां को अपने साथ ले आये जहां की मौत हो गई। और मामला सुर्खियों में आ गया। महिला के निधन के बाद जिला चिकित्सालय परिसर में ही भाई और बहन के बीच तीखी बहस हो गई और शव विवाद का केंद्र बन गया। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। मृतका की बेटी कीर्ति रतवानी ने अपने भाइयों भरत और विजय पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया है। कीर्ति का दावा है कि उनकी मां के साथ बेटों द्वारा ठीक व्यवहार नहीं किया जाता था। वहीं बेटों का कहना है कि उनकी मां पैरालाइसिस से पीड़ित थीं और जिला अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। सोमवार को उन्हें घर लाया गया था। मंगलवार को अचानक तबीयत बिगड़ने पर बिरला अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस बुलाई गई, लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी मौत हो गई। बेटों ने मारपीट के आरोपों को निराधार बताया है। दूसरी ओर बहन का आरोप है कि उसने पहले एम्बुलेंस बुलवाई थी, लेकिन भाइयों ने उसे वापस भगा दिया।

भाई-बहन के बीच है विवाद

बुजुर्ग मां की मौत के बाद जिस प्रकार से हंगामा हुआ वह बताता है कि दोनों पक्षों में लड़ाई किस स्तर पर है। परिजनों के बीच संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है, जिससे मामले ने और तूल पकड़ लिया है।

पीएम रिपोर्ट पर टिकीं निगाहें

घटना की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अभी दोनों पक्षों के बयानों के आधार पर मामले की पड़ताल जारी है। अब सभी की निगाहें पीएम रिपोर्ट पर टिकी हुई हैं।

केंद्रीय रेलमंत्री से सांसद ने की मुलाकात

सतना-नागौद नई रेल लाइन उद्घाटन का मांगा समय

नगर संवाददाता, सतना।

विंध्य क्षेत्र के रेलवे विकास के संबंध में सतना सांसद गणेश सिंह ने मंगलवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं और सुविधाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान सांसद ने सतना रेलवे स्टेशन में निर्माणाधीन विश्वस्तरीय स्टेशन के कार्य में तेजी लाने की मांग की, जिस पर रेल मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

सांसद गणेश सिंह ने रेल मंत्री को अवगत कराया कि सतना-नागौद नई रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, और इसके औपचारिक उद्घाटन के लिए मुख्य अतिथि के रूप में समय देने का अनुरोध किया। रेल मंत्री ने इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए अधिकारियों को आगे की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कैमा रेलवे स्टेशन में माल गोदाम (गुड्स शेड) की स्थापना की मांग भी रखी गई, जिससे क्षेत्र में औद्योगिक और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इंदौर प्रवास के दौरान आयोजित विंध्य महोत्सव के अवसर पर रीवा, सतना से इंदौर के बीच सप्ताह में तीन दिन चलाई गई ट्रेन को नियमित रूप से संचालित करने की मांग भी सांसद द्वारा की गई।

इसके अलावा उचेहरा रेलवे स्टेशन में महाकौशल एवं इतवारी एक्सप्रेस के स्टॉपेज, लगरगवां स्टेशन में रीवा-जबलपुर शटल ट्रेन के ठहराव, तथा लंबे समय से लंबित झुकेही स्टेशन में रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस के स्टॉपेज की मांगों को भी रेल मंत्री ने तत्काल स्वीकृति प्रदान करते हुए अधिकारियों को आदेश जारी किए है।

स्व.अमरलाल सुगानी की पुण्यतिथि पर बच्चों को मिला सहारा

नगर संवाददाता, सतना।

निस्वार्थ सेवा, करुणा और मानवता के प्रतीक रहे वरिष्ठ समाजसेवी स्व. अमरलाल सुगानी की पुण्यतिथि पर उनके सेवा संस्कारों को स्मरण करते हुए जवाहर नगर स्थित छात्रावास में भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर 100 जरूरतमंद बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई, जिससे बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और मन में अपनापन साफ झलकता रहा। कार्यक्रम के दौरान स्व. अमरलाल सुगानी के सुपुत्र मनोहर सुगानी ने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि 'पिताजी ने अपना संपूर्ण जीवन समाज की सेवा में समर्पित कर दिया। उनका विश्वास था कि सच्ची श्रद्धांजलि वही है, जो किसी जरूरतमंद के जीवन में राहत और उम्मीद बनकर पहुंचे।' उन्होंने भावुक होकर पिता के जनसेवा कार्यों और उनके मानवीय मूल्यों को उपस्थितजनों के साथ साझा किया।

इस अवसर पर रितेश सुगानी एवं संध्या द्विवेदी भी उपस्थित रहीं। सभी ने स्व. अमरलाल सुगानी जी के बताए सेवा मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और कहा कि समाज में जरूरतमंदों की सहायता करना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है।

सेवा संकल्प का सेवा कार्य 16 वर्ष पूर्ण, 17 वें वर्ष का होगा शुभारंभ

जिला अस्पताल परिसर में 15 फरवरी को होंगे धार्मिक व सेवा कार्यक्रम

नगर संवाददाता, सतना।

सतना सेवा संकल्प द्वारा जिला अस्पताल परिसर में संचालित निरंतर भोजन सेवा कार्य के 16 वर्ष आगामी 14 फरवरी को पूर्ण हो रहे हैं। इस सेवा कार्य के 17वें वर्ष का शुभारंभ 15 फरवरी से किया जाएगा। इस अवसर पर सेवा संकल्प परिवार द्वारा विविध धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम की शुरुआत 15 फरवरी को प्रातः पूजा-अर्चना से होगी। इसके पश्चात दोपहर 12 बजे से अतिथियों की उपस्थिति में सेवा संकल्प द्वारा किए जा रहे जनसेवा कार्यों वस्त्र वितरण चिकित्सकीय उपकरण डी फ्रिजर सेवा कार्यों के साथ ही भगवान भोलेनाथ की भव्य एवं विशाल पूजा का आयोजन भी किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा सभी तैयारियों की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर ली गई है। सेवा संकल्प के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कार्य नर-नारायण सेवा की भावना से संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों को प्रतिदिन दोनों समय भोजन उपलब्ध कराया जाता है। संस्था का उद्देश्य इस सेवा को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी बनाना है। कार्यक्रम में सामाजिक, धार्मिक एवं शहर के गणमान्य नागरिकों के साथ-साथ समाचार पत्रों के पत्रकार साथियों को भी आमंत्रित किया गया है।

इस दौरान सुरेश बड़ेरिया, सतीश वर्मा, गोविन्द बड़ेरिया, गिरीश अग्रवाल, घनश्याम सोनी, विश्वनाथ नेमा, राजकुमार शुक्ला, संजय गुप्ता (बजरंग), सुनील गुप्ता, विनोद गुप्ता, सतीश सचदेव, गोविंद त्रिपाठी, मधुकर पारेख, श्याम लाल गुप्ता, श्यामू, पी.डी. कूचियां, सचिन अग्रवाल, आनन्द कस्तवार, शिवम गुप्ता, श्यामू अग्रवाल एवं अन्नू अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

लायंस लंगर में खिचड़ी प्रसाद का वितरण

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा के तहत मंगलवार को श्री संजय दुबे जी की पुत्री आयुषमती शचि के विवाह के शुभ अवसर पर रश्मि संजय दुबे परिवार की ओर से श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खीर पूड़ी प्रसाद का वितरण किया गया लगभग 1हजार भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी, ज़ोन चेयरपर्सन धर्मेंद्र सेन, लायन जितेन्द्र गर्ग,अशोक त्रिपाठी, मिथलेश पाण्डेय,कमलकांत पाण्डेय,स्वामीदीन शुक्ला,प्रकाश सेन,सुकीर्त त्रिपाठी,सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी , मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज जी एवं साथी उपस्थित रहे।

यूजीसी नेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्राओं का हुआ सम्मान

नगर संवाददाता, सतना।

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय सतना के हिंदी विभाग द्वारा यूजीसी नेट परीक्षा दिसंबर 2025 उत्तीर्ण छात्राओं के सम्मान में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अध्ययनरत छात्राओं को प्रेरित करना तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित करना रहा। कार्यक्रम में यूजीसी नेट उत्तीर्ण छात्राओं पूजा त्रिपाठी (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, जून 2025), साक्षी चौरसिया (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, जून 2025), वैष्णवी मिश्रा (एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, जून 2025) एवं ईशा पाण्डेय (एम.ए. तृतीय सेमेस्टर, दिसंबर 2025) को प्राचार्य डॉ. ए. के. पाण्डेय, डॉ. अनुराधा जैन, डॉ. किरण सिंह, प्रो. विक्रम द्विवेदी तथा प्रो. रमाकांत सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सम्मानित छात्राओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए भावी नेट अभ्यर्थियों को लक्ष्य निर्धारण, नियमित अध्ययन तथा सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। विभागाध्यक्ष प्रो. विक्रम द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को निरंतर परिश्रम एवं आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। प्रो. रमाकांत सिंह ने प्रतियोगी परीक्षाओं के बढ़ते स्तर एवं बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए योजनाबद्ध तैयारी की आवश्यकता पर बल दिया। आकाश तिवारी ने नेट परीक्षा की तैयारी में ऑनलाइन टूल्स और डिजिटल संसाधनों की उपयोगिता का विस्तृत वर्णन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य डॉ. ए.के. पाण्डेय ने कहा कि छात्राओं ने यूजीसी नेट उत्तीर्ण कर न केवल व्यक्तिगत सफलता अर्जित की है, बल्कि महाविद्यालय की शैक्षणिक प्रतिष्ठा को भी नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया है। इस अवसर पर डॉ. नीरज मिश्रा, डॉ. दीपशिखा मिश्रा, डॉ. नीतू सिंह, अजय चौरसिया, आशीष पाण्डेय, निशी सिंह, भूमि बारी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

गौ सेवकों को सभी जिला व तहसील स्तर पर सौंपी जिम्मेदारी

नगर संवाददाता, सतना।

गौ सम्मान आह्वान अभियान भारत के सभी संतों की सहमति और सहयोग का अभियान है। इस आंदोलन में एक रुपए भी चंदा नहीं देना है। गौ माता को बचाने का बीड़ा उठाया है। जिसके लिए अभी तक हम ज्ञापन देते थे, अब तहसील, जिला, संभाग और प्रदेश स्तर पर प्रार्थना पत्र देकर निवेदन करेंगे। इसके लिए गो सम्मान दिवस की दो तारीखें 27 अप्रैल और 27 जुलाई तय की गई हैं। इस अभियान के लिए गौ सेवकों को सभी जिला एवं तहसील स्तर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कथा वाचक ब्रजकिंकर महाराज ने उक्त आशय की जानकारी एक विशेष बैठक में दी है। उन्होंने गो सम्मान आह्वान अभियान के उद्देश्यों के बारे में बताया कि केन्द्र सरकार और देश के सभी राज्यों की सरकारों से राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गो माता को उचित अनुसंधान और अनुदान मिले, भारत से गौ हत्या पूरी तरह समाप्त हो, गौ माता राष्ट्र देव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर, राष्ट्र आधार बने, इसका मौलिक अधिकार दिलाने के प्रयास करेंगे।

डॉ. अमित सिंह के नेतृत्व में हजारों कर्मचारी-मजदूर उतरेंगे सड़क पर

सतना। देशभर में प्रस्तावित 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में सतना जिले के विभिन्न विभागों, नगरीय निकायों, पंचायतों, अस्थायी-संविदा कर्मचारियों, आउटसोर्स कर्मियों, मीटर रीडर्स, स्कीम वर्कर्स, परिवहन कर्मियों तथा असंगठित मजदूर संगठनों,सीमेंट कल कारखाने के श्रमिक,ठेका श्रमिक एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका द्वारा एक शांतिपूर्ण लेकिन प्रभावशाली रैली का आयोजन किया गया है। रैली सुबह 11 बजे सेमरिया चौक (डॉ. भीमराव अंबेडकर प्रतिमा स्थल) से प्रारंभ होकर सर्किट हाउस तक पहुँचेगी, जहाँ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा और संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी हड़ताल की प्रमुख मांगों पर संबोधित करेंगे।

दिवंगत लक्ष्मी प्रसाद करोसिया को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

जनसंपर्क कार्यालय परिसर में आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

नगर संवाददाता, सतना।

जिला जनसंपर्क कार्यालय सतना में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 लक्ष्मी प्रसाद करोसिया के आकस्मिक निधन पर मंगलवार को कार्यालय परिसर में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं पत्रकारों ने दिवंगत श्री करोसिया के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। जानकारी के अनुसार श्री करोसिया का शनिवार रात्रि लगभग 9 बजे बिरला अस्पताल सतना में उपचार के दौरान आकस्मिक निधन हो गया था। उनके निधन की खबर से परिजनों सहित जिला जनसंपर्क कार्यालय परिवार, स्थानीय पत्रकारों एवं कर्मचारियों में गहरा शोक व्याप्त है।

कार्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति : उमेश तिवारी

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए संभागीय कार्यालय रीवा से प्रभारी उप संचालक उमेश तिवारी ने कहा कि श्री करोसिया का असामयिक निधन जनसंपर्क कार्यालय परिवार के लिए अत्यंत दुखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति दें।

कर्तव्यनिष्ठ और सहयोगी स्वभाव के थे श्री करोसिया

श्रद्धांजलि सभा में श्री करोसिया के सरल स्वभाव, कर्तव्यनिष्ठा तथा सहयोगी व्यवहार को स्मरण करते हुए सभी ने उन्हें एक समर्पित एवं कर्मठ कर्मचारी बताया। उनके निधन को कार्यालय परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया।

इनकी रही उपस्थिति

श्रद्धांजलि सभा में प्रभारी उप संचालक उमेश तिवारी, जनसंपर्क अधिकारी रीवा डॉ. शिवप्रसन्न शुक्ल, सतना से राजेश सिंह, वरिष्ठ पत्रकार संजय पयासी, जिया अहमद राज, सामाजिक न्याय विभाग से के.के. शुक्ला सहित कार्यालय के समस्त कर्मचारी एवं पत्रकारगण उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

12 फरवरी की आम हड़ताल को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियन एकजुट

चार श्रम संहिताओं के विरोध में देशव्यापी आंदोलन : संजय सिंह

नगर संवाददाता, सतना।

12 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियनों द्वारा सतना में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। जिला ट्रेड यूनियन कौंसिल (टीयूसी) सतना के महासचिव कॉमरेड संजय सिंह तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार की कॉरपोरेटपरस्त नीतियों और मजदूर विरोधी चार श्रम संहिताओं के खिलाफ यह हड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इन नीतियों से मजदूरों के अधिकारों का हनन हो रहा है और श्रमिकों पर हमले बढ़े हैं।

पत्रकार वार्ता में कई संगठनों की मौजूदगी

पत्रकार वार्ता में टीयूसी संरक्षक हरि प्रकाश गोस्वामी, अध्यक्ष टी.पी. पांडे, महासचिव संजय सिंह तोमर सहित एटक, सीटू, इंटक, बैंक यूनियन, इंश्योरेंस यूनियन तथा अन्य संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

11 फरवरी को मशाल जुलूस, 12 को आमसभा

महासचिव संजय सिंह तोमर ने जानकारी दी कि हड़ताल की पूर्व संध्या 11 फरवरी को शाम 5:30 बजे पुष्करणी पार्क से मशाल जुलूस निकाला जाएगा। वहीं 12 फरवरी को सभी यूनियनें अपने-अपने कार्यालयों व संस्थानों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगी। इसके बाद दोपहर 12 बजे पुष्करणी पार्क में संयुक्त ट्रेड यूनियनों द्वारा आमसभा का आयोजन किया जाएगा।

29 श्रम कानूनों में बदलाव का विरोध

टीयूसी अध्यक्ष कॉमरेड टी.पी. पांडे ने बताया कि केंद्र सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के नाम पर 29 श्रम कानूनों को बदलकर चार श्रम संहिताओं में परिवर्तित कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने श्रमिक संगठनों के विरोध के बावजूद इन्हें 21 नवंबर 2025 से लागू करने की घोषणा की, जिससे मजदूरों में भारी नाराजगी है।

9 जनवरी कन्वेंशन में हुआ निर्णय

प्रेस वार्ता में एटक के प्रांतीय संयुक्त महासचिव कॉमरेड रामसरोज कुशवाहा, सीटू के प्रांतीय सचिव तेजप्रताप दुबे, इंटक के प्रांतीय उपाध्यक्ष शंकर सिंह तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि 9 जनवरी 2026 को हुए संयुक्त श्रमिक कन्वेंशन में सर्वसम्मति से 12 फरवरी 2026 को एक दिवसीय आम हड़ताल का निर्णय लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

खौर गांव में छात्राओं ने देशी तकनीकी से पशु स्वास्थ्य पहल की

रीवा। कृषि महाविद्यालय रीवा के डीन डॉ. एस.के. त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख डॉ. ए.के. पांडेय, समन्वयक डॉ. संजय सिंह, ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम प्रभारी संदीप शर्मा एवं पशु विज्ञान विभाग के डॉ. अनिल कुमार गिरी के निर्देशन में ग्रामीण कृषि कार्यानुभव कार्यक्रम के अंतर्गत खौर गांव में साप्ताहिक ग्राम भ्रमण आयोजित किया गया। ग्राम भ्रमण के दौरान छात्राओं द्वारा गांव की गायों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं सुधार हेतु देशी तकनीकी ज्ञान आधारित पशु स्वास्थ्य हस्तक्षेप किया गया। इसके अंतर्गत नीम की सूखी पत्तियों एवं अजवाइन से नियंत्रित धुआँ दिया गया, जिससे शीत ऋतु में होने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों एवं बाह्य परजीवियों की रोकथाम में सहायता मिली। यह प्राकृतिक एवं कम लागत वाली पद्धति रासायनिक दवाओं पर निर्भरता कम करने में सहायक सिद्ध हुई। यह गतिविधि समूह नेता वंशिका तिवारी के नेतृत्व में ईशिका, सुमन, सिद्धिका, पूर्णिमा, अनुराधा, महिमा, ज्योति एवं अंचल द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न की गई। छात्राओं ने किसानों को देशी तकनीकी ज्ञान के लाभ एवं उपयोग विधि की जानकारी देकर जागरूक भी किया।

वैज्ञानिक किचन गार्डन तकनीकों से महिलाओं को किया गया सशक्त

रीवा। कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. त्रिपाठी तथा कृषि विज्ञान केंद्र रीवा के प्रमुख डॉ. एके. पांडेय के मार्गदर्शन में ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों द्वारा कोठी गाँव की महिलाओं के किचन गार्डन का दौरा कर उन्हें उन्नत बागवानी एवं सब्जी उत्पादन संबंधी जानकारी प्रदान की गई। दौरे के दौरान छात्रा अग्रांशी सक्सेना, अनामिका द्विवेदी, खुशबू मदान, रानू मसराम, आरती साहित, दिव्य मिश्रा, खुशी त्रिपाठी, ने महिलाओं को किचन गार्डन की वैज्ञानिक पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया। इसमें बीज उपचार, उचित दूरी पर बुवाई, स्टेकिंग, पौध प्रशिक्षण एवं छंटाई, जैविक खाद का उपयोग, कीट एवं रोग प्रबंधन, मौसमी सब्जियों का चयन, मिश्रित फसल प्रणाली तथा रसोई अपशिष्ट से खाद बनाने आदि जैसी महत्वपूर्ण तकनीकों की जानकारी दी गई।

कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से पहुंचे कार्यालय

रीवा। पर्यावरण की सुरक्षा तथा स्वयं की स्वास्थ्य रक्षा के उद्देश्य से सप्ताह में मंगलवार के दिन कमिश्नर बीएस जामोद की पहल पर अधिकारी और कर्मचारी साइकिल से कार्यालय पहुंच रहे हैं। यह क्रम लगातार बना हुआ है। सुमंगल साइकिल दिवस पर कमिश्नर और अन्य अधिकारी साइकिल से कमिश्नर कार्यालय पहुंचे।

[स्वागत] रीवा आगमन पर भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का जगह-जगह हुआ स्वागत

2047 के विकसित भारत को लेकर पेश किया गया बजट: श्याम टेलर

रीवा, नगर संवाददाता।

आज भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का रीवा प्रथम आगमन पर युवा मोर्चा द्वारा भव्य स्वागत वंदन अभिनन्दन कई स्थानों पर किया गया। उनके आगमन पर जेएनसीटी कॉलेज रतहरा में युवा संवाद कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। रीवा जिला स्तरीय इस युवा संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर रहे। इस युवा संवाद में विशिष्ट अतिथि के रूप भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, मऊगंज जिलाध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा व विधायक नरेन्द्र प्रजापति रहे। उनके प्रथम आगमन पर स्वागत हेतु विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच तैयार किया गया। उनका स्वागत कार्यक्रम गोविंदगढ़ से शुरू हुआ जहां युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष शिवेन्द्र शुक्ला व गोविन्दगढ मंडल युवा मोर्चा ने स्वागत किया, इसके बाद सिलपरा रिंग रोड और रतहरा चौराहा पर भव्य स्वागत, आरटीओ ऑफिस के सामने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा

पर माल्यार्पण, पी के स्कूल के सामने, सिरमौर चौक हनुमान मंदिर के पास स्वागत, अमहिया तिराह, अस्पताल चौक में दीनदयाल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं स्वागत, प्रकाश चौक, शिल्पी प्लाजा, और ढेकहा तिराहा सहित विभिन्न प्रमुख स्थलों पर स्वागत कार्यक्रम किया गया। इस प्रवास के दौरान श्याम टेलर ने मीसाबंदी राजेन्द्र ताम्रकार के निज निवास पहुंचकर उनका सम्मान किया और अंत में भाजपा कार्यालय अटल में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं परिचयात्मक बैठक हुई। युवा संवाद में मुख्य अतिथि श्याम टेलर ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट राष्ट्र की चुनौतियों को देखते हुए 2047 के विकसित भारत को लेकर पेश किया गया महत्वपूर्ण बजट है जिसके माध्यम से भारत की जनता को सशक्त एवं समृद्ध बनाने की सोच दिखाई देती है। युवाओं के कौशल विकास और रोजगार के लिए बजट में व्यापक अवसर है। शिक्षा से रोजगार एवं उद्यम स्थायी समिति का गठन और 15000 माध्यमिक विद्यालयों व 500 महाविद्यालयों में ए.वी.जी.सी. कंटेंट क्रिएटर लैब की स्थापना रचनात्मक को बढावा देना है। पर्यटन क्षेत्र में आई.आई.एम के सहयोग से 10 हजार गाइडों के कौशल उन्नयन और खेलों इंडिया मिशन के माध्यम से अगले दशक में खेल क्षेत्र में बदलाव लाने का लक्ष्य युवाओं को नई दिशा देगा।

युवा भारत के लिए सेवा क्षेत्र पर विशेष जोर बढ़ाया जाना है:वीरेन्द्र गुप्ता

इस युवा संवाद कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि युवा भारत की नींव है और युवा भारत के लिए सेवा क्षेत्र पर विशेष जोर बढाया जाना है। शिक्षा के माध्यम से रोजगार और उद्यम के अवसर बढाने के लिए एक उच्चधिकार प्राप्त स्थायी समिति बनाई जायेगी। इस समिति का लक्ष्य वर्ष 2047 तक सेवा क्षेत्र में 10 प्रतिशत की वैश्विक हिस्सेदारी हासिल कर देश को अग्रणी बनाना है। यह समिति विकास, रोजगार और निर्यात की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देना है। एमएसएमई ग्रोथ फंड के लिए 10000 करोड़ रूपये का आवंटन युवा उद्यमियो को संबल प्रदान करेगा। युवा संवाद कार्यक्रम में विधायक नरेन्द्र प्रजापति ने भी अपना विचार रखा। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री युवा मोर्चा दीपनारायण पाण्डेय ने किया। भारतीय जनता पार्टी में आज जिला स्तरीय युवा संवाद कार्यक्रम व सभी स्थानों पर स्वागत करने वालो में प्रमुख रूप से जिला महामंत्री उमाशंकर पटेल, जीवनलाल साकेत, जिला उपाध्यक्ष राजेश प्रताप सिंह, जिला मंत्री बृजेन्द्र गौतम, नरेन्द्र शर्मा, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष राहुल तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वेश्वर मंडलोई, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सूर्य प्रताप तिवारी, जिला उपाध्यक्ष प्रवीण सिंह, अमित तिवारी, जिला महामंत्री प्रदीप सिंह, दीपनारायण पाण्डेय, जिला मंत्री अनिमेष द्विवेदी, रावेन्द्र राय दीक्षित, अजय शर्मा, रितिक मिश्रा, यज्ञ त्रिपाठी, रमेश राठौर, अभिषेक पाण्डेय, ऋतुराज चतुर्वेदी, सांसद प्रतिनिधि रमाशंकर गुप्ता, मोहित गुप्ता, विकास मिश्रा, गौरव पाण्डेय, शिवम द्विवेदी, जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा मो. इमरान गुलाब, रवि गुप्ता, ओम प्रकाश उर्मलिया सहित युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वसूली शिविर में लोगों ने जमा की राशि

रीवा। नगर पालिक निगम, रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष की समाप्ति को दृष्टिगत रखते हुए निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर राजस्व वसूली, सम्पत्तिकर, जलकर एवं अवैध कॉलोनी शुल्क की शत-प्रतिशत वसूली जमा कराये जाने हेतु 09 फरवरी से 02 मार्च 2026 तक वार्डवार विशेष वसूली शिविरों का आयोजन किया जाना है। शिविर का समय प्रात: 9 बजे से सायं 4 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस क्रम में 10 फरवरी को वार्ड क्र. 4 के लिए एजी कालेज मोड़ में शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में कॉलोनी वैधीकरण प्रक्रिया के तहत राशि 28444 रू., सम्पत्तिकर बकाया राशि 116647 रू. एवं जलकर बकाया राशि 156841 रू. जमा कराया गया। साथ ही 11 फरवरी को वार्ड क्र. 5 हेतु राजपूत गन सर्विस के सामने, गंगा स्वीट्स के पास शिविर का आयोजन किया जावेगा।

कृषि विभाग की संभागीय बैठक आज

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में 11 फरवरी को दोपहर 2 बजे से कृषि विभाग की संभागीय समीक्षा बैठक आहूत की गयी है। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों को उपस्थित के निर्देश दिये हैं।

स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ कराने कार्यशाला आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

निगमायुक्त डॉ सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार नगर निगम स्वच्छता टीम द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण में कार्यरत ड्राइवर एवं हेल्पर को कचरा पृथक्करण (सेग्रीगेशन) पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे स्वच्छता कर्मियों को गीले एवं सूखे कचरे के सही पृथक्करण की जानकारी देना तथा नागरिकों को

इसके लिए प्रेरित करना था। कार्यशाला के दौरान सहायक नोडल अधिकारी स्वच्छ भारत मिशन श्रीमती अपूर्वा चतुर्वेदी द्वारा बताया गया कि शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं कचरा मुक्त बनाने में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि कचरा घर से ही गीला और सूखा अलग-अलग करके संग्रहित किया जाए, तो उसका परिवहन, प्रसंस्करण एवं निस्तारण आसान हो जाता है और लैंडफिल पर जाने वाले कचरे की मात्रा में भी कमी आती है।

सुझाव पेटी में आम नागरिकों से बजट पर सुझाव देने की अपील

रीवा, नगर संवाददाता।

नगर निगम रीवा द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट तैयार करने की प्रक्रिया महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' एवं निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के नेतृत्व में सतत रूप से प्रगति पर है। नगर के सर्वांगीण विकास, नागरिक सुविधाओं के विस्तार तथा भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह बजट सहभागी एवं समावेशी दृष्टिकोण के साथ तैयार किया जा रहा है। पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी नागरिकों से सुझाव प्राप्त करने हेतु 10 फरवरी 2026 से महापौर कार्यालय एवं नगर निगम

आयुक्त कार्यालय के बाहर सुझाव पेटी स्थापित की जा रही है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक अपने सुझाव लिखित रूप में प्रस्तुत कर सकता है। सुझाव देने की अंतिम तिथि 10 मार्च 2026 निर्धारित की गई है। महापौर अजय मिश्रा 'बाबा' ने रीवा शहर के समस्त नगरवासियों, व्यापारीगण, उद्योग जगत से जुड़े प्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, शिक्षाविदों, पत्रकार बंधुओं, महिला संगठनों, छात्र-छात्राओं, सामाजिक संस्थाओं, राजनीतिक प्रतिनिधियों तथा आम नागरिकों से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण वित्तीय योजना निर्माण प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपने अनुभवों एवं विचारों के आधार पर नगर के विकास से संबंधित सुझाव प्रस्तुत करें। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नागरिकों द्वारा दिए गए सभी सुझावों को गंभीरता से संज्ञान में लिया जाएगा। प्राप्त सुझावों का परीक्षण कर नगर की प्राथमिक आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों तथा विकास योजनाओं के अनुरूप उपयुक्त सुझावों को बजट में सम्मिलित करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

ड्रोन तकनीक में रोजगार की संभावनाओं पर सविष्कार

रीवा, नगर संवाददाता।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रीवा में सविष्कार आयाम द्वारा सेमिनार का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य ड्रोन प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी प्रदान करना था और युवाओं को इसके व्यावहारिक अनुप्रयोगों के प्रति जागरूक करना था। सेमिनार में उपस्थित छात्र छात्राओं को को ड्रोन तकनीक की मूल बातें, उसके कार्यप्रणाली और विभिन्न प्रकार के ड्रोनों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया। मुख्य वक्ता के रूप में पिनाका शक्ति एयरोस्पेस और क्लैप ऑन एविएशन के सह-संस्थापक इंजीनियर सुमन सौरभ पांडे नें भारत सरकार द्वारा ड्रोन के क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने संबंधी विभिन्न योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। इन योजनाओं का उद्देश्य ड्रोन निर्माण, अनुसंधान और अनुप्रयोगों को प्रोत्साहित कर आत्मनिर्भरता के अवसर तलाशना है। सविष्कार द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में ड्रोन तकनीक के कृषि, रक्षा, सर्वेक्षण और खनन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपयोगों को विस्तार से समझाया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रीवा विभाग के संगठन मंत्री सतीश गुप्ता नें सविष्कार आयाम द्वारा स्टार्टअप के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तार से चर्चा की। एक दिवसीय सेमीनार में महाकौशल सविष्कार आयाम के प्रांत संयोजक ओम गुप्ता, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रो.अशोक अवस्थी, वरिष्ठ व्याख्याता डॉ भावना पांडेय, प्रो एपी सिंह, प्रो आशीष पांडेय सहित महाविद्यालय के इकाई अध्यक्ष अंश पांडे, अनिरुद्ध तिवारी सहित महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

कमेटियों की निगरानी सतत की जानी चाहिये: झब्बू

नवनियुक्त महासचिवों एवं ब्लाक अध्यक्षों का हुआ सम्मान

रीवा, नगर संवाददाता।

संगठन सृजन अभियान के अनुक्रम मे विधानसभा रीवा के प्रभारी, ब्लाक प्रभारियों, ब्लाक अध्यक्षों एवं मण्डलम अध्यक्षों की बैठक शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू की अध्यक्षता मे तथा नवनियुक्त ग्रामीण महासचिव रवि तिवारी एवं शहर के नवनियुक्त महासचिव सज्जन पटेल की विशेष उपस्थिति मे उर्रहट स्थित कांग्रेस कार्यालय मे आयोजित की गयी। बैठक मे सर्वप्रथम नवनियुक्त महासचिवों एवं रीवा शहर के नवनियुक्त ब्लाक अध्यक्षों का सम्मान शहर अध्यक्ष अशोक पटेल झब्बू द्वारा किया गया एवं शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार प्रकट किया तथा सभी पदाधिकारियों को उनकी नियुक्ति पर धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक मे उपस्थित सभी पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए श्री झब्बू ने कहा कि हमारा शीर्ष

नेतृतव ग्राम पंचायत/वार्डो मे मजबूत संगठन खड़ा करना चाहता हैं। इस कार्य मे ब्लाक अध्यक्षों एवं मण्डलम अध्यक्षों की महती जिम्मेदारी है कि वे ग्राम पंचायतों एवं वार्डो मे अतिशीघ्र कमेटी का गठन करें। प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जारी फार्मेट के अनुसार कमेटी मे हर वर्ग के लोगो को शामिल करें तथा कांग्रेस समर्पित व्यक्ति को कमेटी मे स्थान देना अपरिहार्य हैं। श्री झब्बू ने कहा कि कमेटी बना देने मात्र से किसी की जिम्मेदारी समाप्त नही हो जाती है, वरन इन कमेटियों की निगरानी सतत की जानी चाहिए तथा कमेटी में नए लोगो को भी कांग्रेस पार्टी से जोडना हैं। अनुसूचित जाति एवं जनजाति तथा पिछडो वर्ग के यहां ग्राम पंचायतो,वार्डो की बैठकें आहूत की जायें व कांग्रेस की रीति नीति से उन्हें अवगत कराया जायें। अंत मे धारकुण्डी आश्रम के संस्थापक संत शिरोमणि स्वामी परमहंस सच्चिदानंद जी महाराज के स्वर्गरोहण पर 02 मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी और उनके अनुयायियों को महाराज की स्वर्गरोहण से जो आघात पहुंचा है उस सहन करने शक्ति ईश्वर प्रदान करें। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अशोक पटेल झब्बू, रवि तिवारी, सज्जन पटेल, सत्यनारायण तिवारी, नर्मदेश्वर पाठक, प्रवीण कुमार पाण्डेय, रामकीर्ति शर्मा, शिवेन्द्र प्रताप सिंह बघेल, मोहम्मद रफीक अंसारी, अशोक पटेल, सुनील दुबे, लल्लू सिंह यादव, श्यामू वर्मा, सुल्तान खान, रवि बहादुर सिंह, अमित तिवारी, तारूणेन्द्र तिवारी, चंद्रशेखर पटेल, प्रदीप कुमार साकेत, शहादत खान, सुभाष पटेल, दिलीप पटेल, अखिलेश तिवारी सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

केदारनाथ कॉलेज में स्वास्थ्य जागरूकता स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय शहीद केदारनाथ महाविद्यालय मऊगंज में उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वैलनेस कार्यक्रम के तृतीय तिमाही अंतर्गत जिला स्तरीय मेडिकल टीम द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता स्क्रीनिंग एवं प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सोमदत्त पांडे द्वारा किया गया किया गया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी बृजकांत साकेत क्रीड़ा अधिकारी के द्वारा छात्रों को पूर्व से ही जानकारी दी गई थी, जिससे भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए एवं अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्या जिज्ञासा को चिकित्सकों के समक्ष रखा गया। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा इन छात्र छात्राओं का परीक्षण कर निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गई एवं इनका रिकार्ड संधारित किया गया। परीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग के डॉ पदम शुक्ला खंड चिकित्सा अधिकारी, डॉ पुष्पेंद्र मिश्रा मेडिकल ऑफिसर, डॉ रुबी श्रीवास्तव, अब्दुल कादिर, डॉक्टर रामद्वारा साकेत, संदीप सिंह, श्रीमती अलका मिश्रा सुरुचि, आंचल मिश्रा के द्वारा स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ रामनिवास पटेल सुश्री रूपाली उपाध्याय सुश्री अनीशा मिश्रा द्वारा पंजीयन एवं कार्यक्रम के आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया गया।

पीएम आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों का कराया जायेगा निर्माण

शिवनगर से अतिक्रमणमुक्त कराई गई 2.36 हेक्टेयर जमीन

रीवा, नगर संवाददाता।

निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर 10 फरवरी को नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्र. 10 शिवनगर में पीएम आवास योजना अंतर्गत आवासीय/व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स हेतु आवंटित 2.36 हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमणकारियों के अवैध कब्जे से मुक्त कराया गया। गौरतलब है कि निगमायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासीय/व्यावसायिक भवनों के निर्माण, जिसमें 24 दुकानें एवं 4 ऑफिस यूनिट प्रस्तावित हैं, आवंटित भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए 10 फरवरी तक की समय-सीमा निर्धारित की थी। उक्त निर्देश के

पालन में आज कार्रवाई करते हुए नगर निगम के सभी जोनों के अतिक्रमण अमले ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुँचकर शांतिपूर्वक तरीके से अनाधिकृत रूप से आवंटित भूमि पर लगाई गई कपड़े की बाड़ को हटाया तथा स्थल को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसके उपरांत नियमानुसार निर्माण कार्य प्रारम्भ करने हेतु लेआउट डाला गया।

उक्त निर्माण कार्य पूर्ण होने पर नगर निगम को जो राजस्व प्राप्त होगा, उसका उपयोग कमजोर वर्ग एवं भूमिहीन नगरवासियों को एएचपी अंतर्गत सर्वसुविधायुक्त एवं सुव्यवस्थित इडब्ल्यूएस क्वार्टर्स का निर्माण कराकर आवंटन किया जाएगा।

इससे शहर में नियोजित विकास को बढ़ावा मिलेगा तथा स्वच्छता एवं सुंदरता को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। उक्त कार्रवाई में कार्यपालन यंत्री एचके त्रिपाठी, सहायक यंत्री राजेश चतुर्वेदी, टीआई विश्वविद्यालय हितेन्द्रनाथ शर्मा, उपयंत्री शुभम तिवारी, अतिक्रमण प्रभारी रावेन्द्र शुक्ला, सुखेन्द्र चतुर्वेदी, अमित तिवारी, वरुण मिश्रा, संविदाकार जीतेन्द्र तिवारी सहित पुलिस बल एवं अतिक्रमण अमला उपस्थित रहा।

रॉयल राजपूत संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एड. राजीव सिंह शेरा ने दिया इस्तीफा

रीवा, नगर संवाददाता।

रॉयल राजपूत संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट राजीव सिंह परिहार (शेरा) ने संगठन की प्राथमिक सदस्यता एवं अपने पद से इस्तीफा देते हुए स्वयं को संगठन से पूर्णतः अलग कर लिया है। उन्होंने यह निर्णय संगठन की वर्तमान कार्यप्रणाली से असंतुष्ट होकर लिया है।

एडवोकेट राजीव सिंह परिहार उर्फ शेरा सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि रॉयल राजपूत संगठन अब अपने मूल उद्देश्य और विचारधारा से भटक गया है। संगठन की स्थापना समाज के हित, सामाजिक उत्थान, एकता, भाईचारा एवं जरूरतमंदों की सेवा के उद्देश्य से की गई थी, लेकिन वर्तमान में

संगठन समाज की सेवा कम और एक व्यक्ति विशेष की सेवा में स्वयं को अधिक समर्पित कर चुका है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि संगठन में पारदर्शिता, लोकतांत्रिक निर्णय प्रक्रिया एवं सामूहिक नेतृत्व का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। संगठन की गतिविधियां अब समाज के व्यापक हितों के बजाय सीमित दायरे में सिमट कर रह गई हैं, जिससे आम कार्यकर्ताओं एवं समाज के लोगों में निराशा व्याप्त है। इसी कारण उन्होंने नैतिक आधार पर अपने पद एवं संगठन की सदस्यता से इस्तीफा देना उचित समझा। शेरा सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि वे भविष्य में भी समाज सेवा, सामाजिक एकता एवं युवाओं के उत्थान के लिए सदैव तत्पर रहेंगे और स्वतंत्र रूप से सामाजिक कार्य करते रहेंगे। उन्होंने संगठन से जुड़े सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका यह निर्णय व्यक्तिगत दुर्भावना से प्रेरित न होकर सिद्धांतों एवं आत्मसम्मान के आधार पर लिया गया फैसला है।

संपादकीय

स्पीकर पर अविश्वास!

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरफ से भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब से जुड़े संदर्भ पेश करने की मांग के बाद से बजट सत्र की शुरुआत से लेकर अब तक सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध की स्थिति बनी हुई है। इस मामले में विपक्ष ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को भी घेरा है, जिन्होंने राहुल को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव से इतर किसी किताब या रिपोर्ट पर बोलने की इजाजत नहीं दी। विपक्षी दलों का आरोप है कि उन्हें बहस के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता और उनके नोटिसों को चुनिंदा तरीके से स्वीकार किया जाता है। जब विपक्ष के नेता राहुल गांधी बोलने के लिए खड़े होते हैं, तो अक्सर उनका माइक बंद कर दिया जाता है। विपक्ष ने स्पीकर के उस बयान पर आपत्ति जताई है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि महिला सांसद प्रधानमंत्री पर हमले की योजना बना रही थीं। विपक्ष ने इस आरोप को निराधार बताते हुए, स्पीकर से इस पर स्पष्टीकरण और सबूत की मांग की है। अब सामने आया है कि लोकसभा स्पीकर के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में अहम सवाल यह है कि संसद के निचले सदन के अध्यक्ष को हटाने की क्या प्रक्रिया है? भारतीय संविधान में लोकसभा स्पीकर को हटाने की जो प्रक्रिया है उसे तकनीकी रूप से 'महाभियोग' नहीं कहा जाता। संविधान में स्पीकर को हटाने का जिक्र अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। इसमें कहा गया है कि स्पीकर को लोकसभा के प्रस्ताव के जरिए हटाया जा सकता है। स्पीकर को हटाने के लिए लिखित नोटिस दिया जाना जरूरी है। वह भी प्रक्रिया शुरू करने से कम से कम 14 दिन पहले। इसी के साथ ऐसे किसी भी प्रस्ताव के लिए कम से कम 50 सांसदों का समर्थन जरूरी है। जब स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर सदन में चर्चा या बहस हो रही होती है, तब स्पीकर सदन की अध्यक्षता नहीं कर सकते। इस दौरान डिप्टी स्पीकर या राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त कोई अन्य सदस्य सदन की कार्यवाही का संचालन करता है। स्पीकर को हटाने के लिए, सदन के तत्कालीन सभी सदस्यों के बहुमत की जरूरत होती है। सीधे शब्दों में यह सामान्य अविश्वास प्रस्ताव से अलग है, क्योंकि इसमें केवल सदन में मौजूद और मतदान करने वाले सदस्यों का बहुमत पर्याप्त नहीं होता। सभी सदस्यों की मौजूदगी और उनका मतदान करना जरूरी होता है। अगर लोकसभा में यह प्रस्ताव बहुमत से पारित हो जाता है, तो स्पीकर को तत्काल प्रभाव से पद छोड़ना पड़ता है। इसके साथ ही सदन को नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करनी होती है। भारत के पहले लोकसभा अध्यक्ष जीवी मालवंकर के खिलाफ 18 दिसंबर 1954 को अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। स्पीकर को हटाने के लिए एक अविश्वास प्रस्ताव 24 नवंबर 1966 को लाया गया था। फिर 15 अप्रैल 1987 को भी लोकसभा स्पीकर को हटाने के लिए एक प्रस्ताव लाया गया। लेकिन ऐतिहासिक रूप से, भारत में अब तक किसी भी लोकसभा स्पीकर को इस प्रक्रिया के जरिए नहीं हटाया गया है। भारत के संसदीय इतिहास में लोकसभा अध्यक्ष को उनके पद से हटाने के लिए अब तक तीन बार प्रस्ताव लाए गए हैं, लेकिन ये तीनों ही बार सदन में गिर गए और कभी भी किसी अध्यक्ष को हटाया नहीं जा सका। यानी साफ तौर पर संविधान की तरफ से स्पीकर पद की गरिमा को ऊपर रखा गया है। इसलिए इसकी प्रक्रिया को भी जटिल किया गया है।

खेमचंद राज्य के नए सीएम: क्या सरकार की बहाली से बदलेगी मणिपुर की तस्वीर

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सत्ता का संतुलन साधने की कवायद में कुकी और नागा समुदाय के एक विधायक को उप-मुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में शामिल करने का फैसला किया था।

प्रभाकर मणि तिवारी

बीते करीब 34 महीने से मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी जातीय हिंसा से जूझ रहे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में एक साल के राष्ट्रपति शासन के बाद नए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बहाल हो गई है। लेकिन सवाल उठ रहा है कि क्या इससे जमीनी परिस्थिति में कोई खास सुधार आएगा? सरकार के गठन के बाद बदलते घटनाक्रम से तो यह उम्मीद बेईमानी ही लगती है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने सत्ता का संतुलन साधने की कवायद में कुकी और नागा समुदाय के एक विधायक को उप-मुख्यमंत्री के तौर पर सरकार में शामिल करने का फैसला किया था। लेकिन राज्य की पहली महिला उपमुख्यमंत्री के तौर पर कुकी समुदाय की विधायक नेम्चा किपगेन ने जिस तरह दिल्ली के मणिपुर भवन से ही वर्चुअल तरीके से शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया उससे इस बात के संकेत मिलने लगे थे कि अंदरखाने सब कुछ ठीक नहीं है।

आखिर वही हुआ जिसका डर था। कुकी-जो समुदाय ने अगले दिन से ही इसका विरोध शुरू कर दिया। राज्य के कई इलाकों में नए सिरे से हिंसा हुई और कुकी संगठनों ने बंद बुलाया। हालांकि नेम्चा किपगेन ने तमाम समस्याओं को बातचीत के जरिए सुलझाने की जरूरत पर जोर दिया है। लेकिन कुकी समुदाय अपने इलाके में स्वायत्त प्रशासन की पुरानी मांग पर अड़ा है।

यहां इस बात का जिक्र प्रासंगिक है कि तीन मई, 2023 से ही राज्य में दोनों समुदायों के बीच लंबे समय से जारी हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों बेघर हो चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 60 हजार से ज्यादा लोग अब भी विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे हैं।

अब नई सरकार की सबसे बड़ी चुनौती मैतेई और कुकी समुदाय के बीच आपसी भरोसा बहाल करना और राहत शिविरों में रहने वालों को उनके घरों तक लौटाना है। लेकिन कुकी संगठनों के रवैए को देखते हुए सरकार की राह आसान नहीं लगती। राज्य की 60-सदस्यीय विधानसभा में बीजेपी के 37 विधायक हैं।

इनमें से सात कुकी समुदाय के हैं। कुकी समुदाय के कुल 10 विधायक हैं। यह राज्य घाटी और पर्वतीय इलाके में बंटा है। मणिपुर घाटी में विधानसभा की 40 सीटें हैं और कुकी-नागा बहुल पर्वतीय इलाके में बीस सीटें।

दरअसल, राज्य में सरकार की बहाली भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और केंद्र सरकार के लिए मजबूरी थी। पहली बात यह थी कि अगले सप्ताह राष्ट्रपति शासन को एक साल पूरे होने वाले थे। उसे और बढ़ाने के लिए संसद में संविधान संशोधन कानून पारित करना पड़ता।

इसके अलावा अगले साल राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। राष्ट्रपति शासन में चुनाव होने की स्थिति में भाजपा के हाथों से सत्ता निकलने का खतरा था। एनडीए के विधायक बीते दो महीने से केंद्र पर राज्य सरकार को बहाल करने के लिए दबाव बना रहे थे। उनकी दलील थी कि राज्य की परिस्थिति के कारण ही लोकसभा में पार्टी को दोनों सीटें गंवानी पड़ी थी। बीते महीने से ही राज्य के विभिन्न इलाकों में सेव मणिपुर रैलियों का आयोजन किया जा रहा था।

विपक्षी कांग्रेस ने कहा है कि भाजपा ने अपने सियासी हितों को ध्यान में रखते हुए राज्य में सरकार तो बहाल कर दी है। लेकिन कुकी समुदाय को भरोसा में लिए बिना की गई इस कवायद ने समस्या को और उलझा दिया है। नतीजा सामने हैं। शपथ ग्रहण के अगले दिन से ही महिला उप-मुख्यमंत्री के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सरकारी बहाली की कवायद में कुकी समुदाय की अलग स्वायत्त या केंद्रशासित प्रदेश की मांग पर न तो कोई चर्चा की गई और न ही कुकी संगठनों से इस पर बातचीत की गई। उनके मुताबिक, केंद्र को इस मुद्दे पर कुकी संगठनों को साथ लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए था।

विश्लेषकों की राय में राज्य में हिंसा में भले कुछ कमी आई है, जमीनी तस्वीर में खास बदलाव नहीं आया है। अब भी मैतेई और कुकी समुदाय के लोग एक-दूसरे के इलाके में जाने का साहस नहीं जुटा पा रहे हैं। इस खाई को पाटने के साथ ही लोगों में भरोसा पैदा किए बिना राज्य में सामान्य स्थिति की बहाली दूर की कौड़ी ही लगती है।

उत्साह संभावनाओं का संचार करता है; यह जीवन की आधारशिला, इस पर टिकती हैं आशाएं

पवन पांडेय

उत्साह मनुष्य की चेतना में प्रवाहित होने वाली वह सजीव शक्ति है, जो उसके विचारों को दिशा देती है और उसके संकल्पों को गति प्रदान करती है। यह वही तत्व है, जो साधारण इच्छाओं को महान स्वप्नों में और सामान्य प्रयासों को ऐतिहासिक उपलब्धियों में परिवर्तित कर देता है। उत्साह मनुष्य के व्यक्तित्व में भीतर से प्रकट होता है। यह आंखों की चमक में, वाणी की दृढ़ता में और चाल की स्वाभाविक आत्मविश्वासपूर्ण लय में झलकता है। जब कोई व्यक्ति उत्साह से परिपूर्ण होता है, तो उसके शब्द केवल ध्वनि नहीं रहते, वे प्रभाव बन जाते हैं। उसके हाथों की पकड़ केवल शारीरिक बल नहीं दर्शाती, बल्कि निश्चय की अडिगता का संकेत देती है। ऐसा व्यक्ति परिस्थितियों को अपने संकल्प के अनुसार ढालने का साहस रखता है। सामान्य जीवन में उत्साह का महत्व और भी अधिक है, क्योंकि अधिकांश लोग असाधारण परिस्थितियों में नहीं, बल्कि साधारण संघर्षों के बीच अपने सपनों को साकार करने का प्रयास करते हैं। रोजमर्रा की जिम्मेदारियां, आर्थिक दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं और बार-बार मिलने वाली विफलताएं व्यक्ति के मन को थका देती हैं। ऐसे में यदि उत्साह न हो, तो मनुष्य भीतर से टूटने लगता है। उत्साह ही वह शक्ति है, जो उसे यह विश्वास दिलाती है कि कठिनाइयां स्थायी नहीं होतीं और प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाते। उत्साह केवल सफलता के क्षणों में नहीं, बल्कि विफलता के समय भी अपनी वास्तविक परीक्षा देता है।

परिश्रम का प्रतिफल तुरंत दिखाई नहीं देता, तो आत्मविश्वास डगमगाने लगता है, तब उत्साह ही मनुष्य को पुन: खड़ा करता है। यह उसे सिखाता है कि गिरना कमजोरी नहीं है, बल्कि गिरकर उठने का साहस ही जीवन की वास्तविक विजय है। उत्साह के बिना ज्ञान निष्क्रिय हो जाता है और अनुभव बोझ में बदल जाता है। समाज में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जहां साधारण पृष्ठभूमि से आए लोगों ने केवल अपने उत्साह के बल पर असाधारण उपलब्धियां प्राप्त कीं। उनके पास न तो विशेष संसाधन थे और न ही अनुकूल परिस्थितियां, परंतु उनके भीतर सीखने की तीव्र इच्छा और आगे बढ़ने की जिद थी। यही उत्साह उन्हें बार-बार प्रयास करने, स्वयं को सुधारने और अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठावान बने रहने की प्रेरणा देता रहा। उत्साही व्यक्ति हर जगह परिवर्तन की शुरुआत करता है। यह हमें भय से मुक्त करता है और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की शक्ति देता है। उत्साह से किया गया छोटा-सा प्रयास भी समय के साथ बड़ा परिणाम दे सकता है, क्योंकि उसमें निरंतरता और समर्पण निहित होता है। उत्साह जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर आशाएं टिकती हैं और सपने आकार लेते हैं। यही वह खमीर है, जो विचारों को उठान देता है और मनुष्य को उसकी सीमाओं से आगे जाने का साहस प्रदान करता है। जब तक जीवन में उत्साह जीवित है, तब तक संघर्ष अर्थपूर्ण है और भविष्य संभावनाओं से भरा हुआ है।

सूत्र- संघर्षों को अवसर में बदलें- उत्साह साधारण मनुष्य को भी असाधारण बना सकता है। यह कठिन परिस्थितियों में आशा का दीप जलाए रखता है और निराशा के क्षणों में भी आगे बढ़ने का साहस देता है। जो व्यक्ति अपने भीतर उत्साह बनाए रखता है, वही संघर्षों को अवसर में बदलकर जीवन में सच्ची सफलता प्राप्त करता है।

अध्यक्ष के प्रति 'अविश्वास'

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

संसद का बजट सत्र चल रहा है और इसमें ऐसा गतिरोध पैदा हो गया है जिसे सुलझाने में सत्ता और विपक्ष नाकामयाब होते दिखाई पड़ रहे हैं। भारत के संसदीय लोकतन्त्र के लिए यह स्थिति किसी भी प्रकार से उचित नहीं कही जा सकती क्योंकि हमारी पूरी शासन प्रणाली का मार्ग संसद से होकर ही गुजरता है। स्वतंत्रता के बाद हमने अपनी संसदीय प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए जो उपाय किये उनमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण लोकसभा के अध्यक्ष की स्वतन्त्र व निरपेक्ष सत्ता थी। लोकसभा चूंकि भारत के लोगों द्वारा सीधे चुने गये अपने प्रतिनिधियों की सबसे ऊंची संस्था होती है। अत: इसके संचालन के लिए हमारे संविधान निर्माताओं ने ऐसी प्रणाली विकसित की जिससे इसमें बैठने वाले हर सदस्य की भावनाओं व अभिव्यक्ति को आवाज मिल सके। इसके लिए सदन में अध्यक्ष या स्पीकर की व्यवस्था की गई और उसे अधिकृत किया गया कि वह सत्तारूढ़ बहुमत दल की सरकार से पूरी तरह निरपेक्ष रहते हुए सदन में पहुंचे हर किसी दल के सदस्य के साथ निरपेक्ष रहते हुए व्यवहार कर सके। इसके लिए अध्यक्ष की सत्ता सदन में स्वतन्त्र रूप से स्थापित की गई, उसका अपना सचिवालय बनाया गया और उसे संसद परिसर का संरक्षक भी बनाया गया। यह बेवजह नहीं है कि लोकसभा में अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से कराने की परंपरा डाली गई। क्योंकि सदन में पहुंचे हर किसी दल के सदस्य के अधिकार एक बराबर होते हैं और इसमें सत्ता व विपक्ष का कोई भेदभाव नहीं रहता।

अत: अध्यक्ष को उन अधिकारों से लैस किया गया जिससे वह बिना किसी भेदभाव के संसद की नियमावली के अनुसार प्रत्येक सदस्य को अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता का पूरा अधिकार दे सकें जिससे वह सदस्य खुद को मिले विशेषाधिकारों के तहत सदन के भीतर अपनी बात बिना किसी खौफ-ओ-खतर के कह सके। परन्तु वर्तमान में हम देख रहे हैं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री राहुल गांधी को ही अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने विभिन्न नियमों का हवाला देकर बोलने की अनुमति नहीं दी जिसकी वजह से पूरा विपक्ष बिफर उठा और उसने अब फैसला कर लिया है कि वह अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लायेगा। यह स्थिति वास्तव में दुखद है क्योंकि इससे लगता है कि हमारी लोकसभा अब ऐसे मुकाम पर पहुंच गई है जिसमें विपक्ष व सत्तारूढ़ दल के बीच किसी प्रकार का संवाद नहीं हो सकता है। मूल प्रश्न यह है कि ऐसी स्थिति क्यों आयी? इस सन्दर्भ में हमें संसद की पुरानी परंपराओं को भी देखना होगा क्योंकि लोकतन्त्र में पुरानी परंपराएं भी नियम के समरूप होती हैं। अध्यक्ष के खिलाफ जब अविश्वास प्रस्ताव उन्हीं के सामने लाया जाता है तो इसके नियमानुसार दाखिल होने के बाद वह अपना आसन छोड़ देते हैं और सदन में अन्य सांसदों के साथ आकर बैठ जाते हैं। जब तक उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला न हो जाये तब तक अध्यक्ष के आसन पर उपाध्यक्ष आकर बैठते हैं और उनकी सदारत में सदन की कार्यवाही चलती है। अत: इस परिस्थिति में सदन के सभापति का दायित्व उस पैनल के सबसे वरिष्ठ व्यक्ति को दिया जा सकता है जिसका चुनाव स्वयं अध्यक्ष ही करते हैं। जब तक सदन में अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा चलती है तब तक उन्हें सदन में बोलने का अधिकार नहीं रहता। वह इस मुद्दे पर हुए मतदान में भी हिस्सा नहीं ले सकते। मगर ऐसा सब कुछ 1953 में हो चुका है हालांकि उस समय अविश्वास प्रस्ताव भारी बहुमत से गिर गया था क्योंकि सदन में कांग्रेस पार्टी का भारी बहुमत था। वर्तमान लोकसभा में सत्तारूढ़ एनडीए का पूरा बहुमत है मगर सदन की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का अपने बूते पर बहुमत नहीं है। केवल इसी तथ्य से विपक्ष गदगद नहीं हो सकता है। भाजपा के साथ जो अन्य सहयोगी दल एनडीए में हैं वे इस मुद्दे पर उसका साथ छोड़कर इसलिए नहीं जा सकते क्योंकि वे सत्ता में भागीदार हैं। अत: यदि लोकसभा में अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव आता भी हो तो वह निश्चित रूप से गिर जायेगा। मगर इससे अध्यक्ष के आसन की गरिमा पर जरूर आघात लगेगा। इसके साथ ही विपक्षी महिला सांसदों ने भी अध्यक्ष श्री बिरला को एक सांझा खत लिखकर उन पर आरोप लगाया है कि उन्होंने कुछ महिला सांसदों के बारे में ऐसी बातें कहीं जिससे उनकी छवि एक अपराधी जैसी हो गई। श्री बिरला ने कहा था कि कुछ महिला सांसद प्रधानमन्त्री के खिलाफ लोकसभा के भीतर ऐसा कुछ कर सकती थीं जिससे कुछ भी अप्रत्याशित घट सकता था।

महिला सांसदों ने उनसे इसका प्रमाण देने के लिए भी कहा है। लोकसभा के पूरे माहौल को देखकर लगता है कि सत्ता और विपक्ष जैसे दो दुश्मन हों जबकि लोकतन्त्र में ये दोनों गाड़ी के दो पहिये होते हैं जिनके बिना संसद सुचारू रूप से नहीं चल सकती। हमने देखा है कि किस प्रकार पहले राज्यसभा के भीतर भी इसके पूर्व सभापति श्री जगदीप धनखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाये जाने की बात हुई थी और उससे पहले किसान विधेयकों के मुद्दे पर इसी सदन के उपसभापति हरिवंश के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाने के प्रयास किये गये थे। लोकतन्त्र में ऐसी घटनाओं से लोगों का विश्वास ही इस व्यवस्था में डगमगाता है। अत: हर कीमत पर लोकसभा में स्वस्थ परंपराओं का ही अनुसरण किया जाना चाहिए और संसद में विपक्ष की हिस्सेदारी के साथ भी समझौता नहीं किया जाना चाहिए ।

फिर दोराहे पर खड़ा बांग्लादेश

ऋषि गुप्ता

बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने जा रहे आम चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी-अपनी कमर कस चुके हैं। चुनावी परिणाम ही नए बांग्लादेश की दिशा निर्धारित करेंगे। इस बार अवामी लीग प्रतिबंध के कारण चुनाव से बाहर है, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना फिर भी चुनावी विमर्श का प्रमुख मुद्दा बनी हुई हैं। पिछले तीन दशकों में यह पहला अवसर है, जब बांग्लादेश की 'दो बेगमों'-अवामी लीग की शेख हसीना और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की खालिदा जिया चुनावी मैदान में नहीं हैं।

ऐसे में यह चुनाव नए राजनीतिक समीकरणों के बीच लड़ा जा रहा है। 13वें संसदीय चुनाव में युवाओं की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि 2024 में जुलाई में शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन और उनके इस्तीफे में यही वर्ग सबसे आगे रहा। वर्तमान में 18-35 आयु वर्ग की आबादी लगभग 30 प्रतिशत है, जो आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया से लैस है और जुलाई आंदोलन का प्रमुख प्रतिनिधि मानी जाती है। सवाल यह है कि क्या यह युवा वर्ग छात्र आंदोलन से उभरी जातीय नागरिक पार्टी यानी नेशनल सिटिजंस पार्टी (एनसीपी) को समर्थन देगा या पारंपरिक दल अपने प्रशासनिक अनुभव और संगठनात्मक मजबूती के बल पर फिर सत्ता में लौटेंगे? लंदन में 17 वर्षों के निर्वासन के बाद खालिदा जिया के पुत्र तारिक रहमान ने बीएनपी की कमान संभाली है। पिछले साल 25 दिसंबर को उनकी बांग्लादेश वापसी के दौरान उमड़ी भीड़ से स्पष्ट हुआ कि 2024 के आंदोलन का राजनीतिक लाभ बीएनपी को मिला है और आगामी चुनावों में उससे काफी उम्मीदें हैं। ढाका पहुंचने पर तारिक रहमान ने कहा, 'आइ हैव ए प्लान यानी मेरे पास बांग्लादेश के विकास की योजना है।' इसी आधार पर पार्टी ने अपने घोषणा पत्र सबसे पहले राष्ट्रीय बदलाव, सामाजिक समानता, आर्थिक स्थिरता, क्षेत्रीय विकास और धार्मिक सौहार्द जैसे मुद्दों को प्रमुखता दी है। बांग्लादेश के चुनावी इतिहास में मुद्दों से अधिक पार्टी और नेतृत्व का प्रभाव रहा है और तारिक रहमान ने पिछले डेढ़ वर्षों में इसी दिशा में काम किया है। विदेश में रहते हुए भी वे आनलाइन माध्यम से पार्टी से जुड़े रहे। चुनावी गणित के लिहाज से बीएनपी इस समय एक मजबूत पार्टी मानी जा रही है, जिसे अवामी लीग की अनुपस्थिति का भी लाभ मिल सकता है। हालांकि बीएनपी मजहबी ध्रुवीकरण से बचते हुए अल्पसंख्यक और अवामी लीग समर्थक वोटों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही है।

जमात-ए-इस्लामी पहली बार खुलकर नेतृत्व की राजनीति में सामने आई है। 1971 के मुक्ति आंदोलन में पाकिस्तान का साथ देने के कारण यह संगठन लंबे समय तक विवादों में रहा। शेख हसीना के दो दशकों के शासन में इसके कई नेता जेल में रहे या भूमिगत हो गए थे, लेकिन उनकी सरकार के पतन के बाद जमात फिर सक्रिय हुई और उसका नेतृत्व सामने आया, जिसमें प्रमुख अमीर शफीकुर रहमान शामिल हैं। अवामी लीग की अनुपस्थिति ने जमात को अलग राजनीतिक पहचान दी है और अपने मजहबी आधार के सहारे वह चुनावी मैदान में उतरी है। हालांकि जमात के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उसकी कट्टरपंथी छवि, महिलाओं के प्रति भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और संविधान को इस्लामी स्वरूप देने की कोशिशें चिंता का विषय हैं। बांग्लादेश की स्थापना उदारवाद, धार्मिक सद्भाव और महिलाओं की सक्रिय भूमिका के आधार पर हुई थी। ऐसे में यदि जमात सत्ता में आती है, तो पंथनिरपेक्षता के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग सकते हैं। हाल में शफीकुर रहमान के एक साक्षात्कार में महिलाओं को पार्टी में प्रतिनिधित्व न देने की बात भी चिंता बढ़ाती है। जुलाई आंदोलन के कारण युवाओं की भूमिका इस चुनाव में अहम मानी जा रही है। छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने फरवरी 2025 में एनसीपी की स्थापना कर चुनावी राजनीति में प्रवेश किया।

हालांकि छात्र आंदोलन का नेतृत्व चुनावी सफलता की गारंटी नहीं होता। एनसीपी ने ढाका और जहांगीरनगर विश्वविद्यालय के छात्र चुनावों में भाग नहीं लिया, जिससे उसकी संगठनात्मक मजबूती पर सवाल उठे। इसके विपरीत, जमात के छात्र संगठन इस्लामी छात्र शिबिर की जीत ने उसकी जमीनी पकड़ को दर्शाया। एनसीपी का जमात के साथ गठबंधन उसकी राजनीतिक अनिश्चितता और अवसरवाद को भी दर्शाता है। अब यह देखना होगा कि युवा, विशेषकर महिलाएं इस गठबंधन को कितना स्वीकार करती हैं।आंतरिक मुद्दों के बीच बीएनपी, जमात और एनसीपी, तीनों ने भारत के साथ संबंधों पर अलग-अलग रुख अपनाया है। बीएनपी और जमात ने विदेश नीति पर अपेक्षाकृत संयम बरता है, जबकि एनसीपी ने अंतरराष्ट्रीय नदियों के जल बंटवारे, शेख हसीना की वापसी और असमान द्विपक्षीय समझौतों जैसे मुद्दों पर कड़ा रुख अपनाने की बात कही है। पारंपरिक दलों की चुप्पी को विवाद से बचने की रणनीति माना जा सकता है।

बांग्लादेश कई बार राजनीतिक उथल-पुथल से गुजरा है, लेकिन उसका राजनीतिक ढांचा कायम रहा है। यदि इस चुनाव में जमात सत्ता में आती है, तो न केवल आंतरिक राजनीति, बल्कि विदेश नीति में भी मजहबी प्रभाव बढ़ सकता है, जो भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय बन सकता है।

(लेखक एशिया सोसायटी पालिसी इंस्टीट्यूट, दिल्ली के सहायक निदेशक हैं)

राष्ट्रीय मिशन बने महाशक्ति बनना

भारत के पास चीन और ब्राजील के बाद दुर्लभ खनिजों का विश्व का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि अमेरिका इस मामले में विश्व में सातवें नंबर पर है। ट्रंप साम-दाम-दंड-भेद का प्रयोग कर ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्रयास में इसलिए जुटे, क्योंकि ग्रीनलैंड के पास विश्व का आठवां सबसे बड़ा दुर्लभ खनिजों का भंडार है।

दिव्य कुमार सोती

कुछ समय पहले भारी मुनाफा कमाने वाली एक भारतीय कंपनी ने एक छोटी सी चीनी कंपनी से सौर ऊर्जा से जुड़ी तकनीक खरीदनी चाही, परंतु उसने देने से मना कर दिया। यह तब हुआ, जब भारत अंतरराष्ट्रीय सोलर एलायंस का संस्थापक है। भारत ने फ्रांस के साथ इस अंतरराष्ट्रीय संगठन की स्थापना 2015 में की थी। यह अपनी तरह का पहला बड़ा संगठन है, जिसका मुख्यालय भारत में स्थित है। इसका उद्देश्य 125 सदस्य देशों के साथ मिलकर 2030 तक सौर ऊर्जा उत्पादन में एक ट्रिलियन डॉलर का निवेश और 1000 गीगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन है। चीन को कई बार इसमें शामिल होने का न्योता दिया गया, पर उसने स्वीकार नहीं किया।

विडंबना यह है कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय संगठन के अगुआ भारत की सबसे बड़ी कंपनियों में से एक को चीन की छोटी सी कंपनी के पास ही सौर ऊर्जा से जुड़ी तकनीक मांगने जाना पड़ा। इसका कारण यह है कि हजारों करोड़ रुपये प्रति तिमाही का मुनाफा कमा रही भारतीय कंपनियां भी नई तकनीक के अनुसंधान में भारत में निवेश नहीं करना चाहती हैं। वे खुदरा माल-सेवाओं के आपूर्तिकर्ता मात्र के रूप में अपने व्यापार का विस्तार कर रही हैं और टेक्नोलाजी के लिए दूसरे देशों पर निर्भर हैं। इसी कमजोरी के चलते हम विश्व स्तर पर नेतृत्व देने में अक्षम हैं। विश्व शक्तियां हमें अक्षम ही बने रहने देना चाहती हैं। इसका ताजा उदाहरण अमेरिका के नेतृत्व वाला पैक्स सिलिका गठजोड़ है। पैक्स सिलिका महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में काम आने वाले दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति और प्रसंस्करण से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं को पिरोकर चीन जैसे देशों के इस क्षेत्र पर नियंत्रण से निकलने के उद्देश्य से बनाया गया है। पहले भारत ने इससे जुड़ने की इच्छा जताई थी, परंतु ट्रंप प्रशासन ने उसे नकार दिया था। इस पर भारत के कुछ उद्योगपतियों ने कहा था कि यदि सरकार उनके साथ सहयोग करे तो वे दुर्लभ खनिजों का खनन और प्रसंस्करण भारत में कर सकते हैं।

भारत के पास चीन और ब्राजील के बाद दुर्लभ खनिजों का विश्व का तीसरा सबसे बड़ा भंडार है, जबकि अमेरिका इस मामले में विश्व में सातवें नंबर पर है। ट्रंप साम-दाम-दंड-भेद का प्रयोग कर ग्रीनलैंड पर कब्जे के प्रयास में इसलिए जुटे, क्योंकि ग्रीनलैंड के पास विश्व का आठवां सबसे बड़ा दुर्लभ खनिजों का भंडार है। अगर अमेरिका ग्रीनलैंड को हासिल भी कर ले तब भी 3.4 मीट्रिक टन के साथ उसका स्थान सातवां ही रहेगा।

विचारणीय यह है कि दुर्लभ खनिजों के क्षेत्र में भारत को अमेरिका का पिछलग्गू बनना चाहिए या आत्मनिर्भर? जैसे ही भारतीय उद्योगपतियों ने स्वयं

इन खनिजों के खनन और प्रसंस्करण करने की बात कही, अमेरिका ने तुरंत अपनी चाल बदलकर भारत को पैक्स सिलिका में जुड़ने के लिए आमंत्रित कर लिया। इसकी वकालत करने वाली एक लाबी के अनुसार इन दुर्लभ खनिजों का खनन और प्रसंस्करण बहुत जटिल प्रक्रिया है, इसलिए भारत का अमेरिका की अगुआई में काम करना आसान रहेगा, पर जब हमें यह सब आसानी से उपलब्ध होने लगेगा तो हम शिथिल पड़ जाएंगे और खनन और प्रसंस्करण तकनीकी में निवेश ही नहीं करेंगे। प्रश्न यह है कि इस जटिल काम को चीन ने कैसे कर लिया? चीन 1986 में ही अमेरिका को पीछे छोड़ दुर्लभ खनिजों का सबसे बड़ा उत्पादक बन गया था। 1985-95 के बीच चीन में इन खनिजों का उत्पादन 464 प्रतिशत बढ़ा। 2004 आते-आते चीन विश्व भर के 90 प्रतिशत दुर्लभ खनिजों का निर्यातक बन चुका था। आज चीन विश्व दुर्लभ खनिजों का 70 प्रतिशत खनन, 90 प्रतिशत शोधन और रेयर अर्थ मैग्नेट के 90 प्रतिशत उत्पादन को नियंत्रित करता है। जो काम चीन 1980-90 के दशक में कर पाया वह हम आज क्यों नहीं कर सकते? आत्मनिर्भरता क्या आत्मसंदेह से आएगी। जब विश्व ने परमाणु तकनीक भारत को देने से मना कर दिया था तो क्या हमने परमाणु बम नहीं बना लिया था? इसके उलट उदाहरण भी देख लीजिए।

हम हमेशा फाइटर जेट विदेश से आयात करते रहे हैं। इसके चलते हम आज तक इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर नहीं हो सके हैं, जबकि विश्व की हर महाशक्ति अमेरिका, रूस, फ्रांस, यूरोपीय संघ, चीन अपने फाइटर जेट और उसके इंजन स्वयं बनाते हैं। खबरें हैं कि भारत को एक बार फिर लाखों करोड़ रुपये खर्च करके फ्रांस, रूस या अमेरिका में से किसी एक से फाइटर जेट आयात करने पड़ेंगे, क्योंकि भारतीय वायुसेना के पास लड़ाकू विमानों के बस अब मात्र 29 स्क्वाड्रन ही बाकी रह गए हैं, जबकि होने कम से कम 42 स्क्वाड्रन चाहिए। यह स्थिति इसलिए है, क्योंकि तेजस का उत्पादन समय से नहीं हो पाया और स्वदेशी जेट इंजन बनाने का कार्यक्रम भी अधूरा ही रहा।

1989 में प्रारंभ किए गए कावेरी जेट इंजन कार्यक्रम में भारत ने 2008 तक मात्र 2000 करोड़ रुपये का निवेश किया और फिर उसे असफल पाकर तेजस प्रोजेक्ट से अलग कर दिया। पिछले 40 साल में भारत ने कावेरी इंजन कार्यक्रम पर अधिकतम 5000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं, जबकि चीन तीन लाख पचास हजार करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। आज चीन के पास छठी पीढ़ी के स्वनिर्मित लड़ाकू विमान जे-20 के लिए अपना जेट इंजन तैयार है, जबकि हम चौथी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विदेश से खरीदने के लिए तीन-चार लाख करोड़ रुपये खर्च करने वाले हैं। क्या कोई यह वादा कर सकता है कि हम अंतिम बार विदेशी लड़ाकू विमान खरीदने जा रहे हैं? चीन छठी पीढ़ी के 100-120 लड़ाकू विमान बना रहा है और हम चौथी पीढ़ी के 6-12 जहाज बना पा रहे हैं। कारण यह है कि इसके इंजन के लिए हम अमेरिका पर निर्भर हैं। तीन-चार लाख करोड़ रुपये विदेशी लड़ाकू विमानों पर खर्च करने के बाद हमारी सरकार स्वदेशी जेट इंजन के विकास पर कितना खर्च कर पाएगी, यह भी विचारणीय है। जब तक इन सेक्टरों में आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय मिशन नहीं बनाया जाएगा, तब तक भारत के एक आत्मनिर्भर विश्वशक्ति बनने पर प्रश्नचिह्न लगा रहेगा। भारत के महाशक्ति बनने का मार्ग आसान नहीं है और न ही आसान रास्ते से महाशक्ति बना जा सकता है।

(लेखक काउंसिल ऑफ स्ट्रैटेजिक अफेयर्स से संबद्ध सामरिक विश्लेषक हैं)

संक्षिप्त समाचार

कल आएंगे प्रभारी मंत्री सिलावट

ग्वालियर। जिले के प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट 12 फरवरी को ग्वालियर भ्रमण पर रहेंगे। अपने प्रवास के दौरान वे जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ओलावृष्टि से प्रभावित ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। इसके साथ ही वे शहर में चल रहे विकास कार्यों का अवलोकन करेंगे तथा जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों एवं राहत संबंधी व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा करेंगे। ग्वालियर प्रवास के दौरान प्रभारी मंत्री द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक किए जाने की भी संभावना है।

राहुल भैया आज आएंगे

ग्वालियर। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया 11 फरवरी को ग्वालियर-चंबल संभाग के दौरे पर रहेंगे। वह 11 फरवरी को सुबह वंदे भारत एक्सप्रेस से ग्वालियर आएंगे। इसके बाद पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव, अजीत परमार, रघुवीर खरे, पूर्व विधायक प्रवीण पाठक, पूर्व मंत्री लाखन सिंह, बालेंदु शुक्ला, विधायक डॉ. सतीश सिकरवार, साहब सिंह गुर्जर, गोपाल परमार, राजेन्द्र सिंह नाती, ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल जौहरे, वासुदेव शर्मा, विवेक सिंह तोमर एवं योगेन्द्र सिंह के यहां जाएंगे। इसके बाद वह 12 फरवरी को मुरैना, 13 को भिण्ड एवं 14 को दतिया प्रवास पर रहेंगे।

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री 13 को आएंगे

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने बताया कि कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खण्डेलवाल 13 फरवरी को राजधानी एक्सप्रेस से ग्वालियर आएंगे। इसके बाद वे 14 फरवरी को प्रात: दंदरौआ धाम के दर्शन करने जाएंगे। तत्पश्चात ग्वालियर व्यापार मेले में भारतीय व्यापार महोत्सव के स्टॉल का अवलोकन करेंगे। श्री जैन ने बताया कि 14 फरवरी को जीवाजी क्लब में लगने वाले दादी-नानी की रसोई में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

सकारात्मक विमर्श से ही मजबूत होगा राष्ट्रः नवल शुक्ला

प्रमुख जन गोष्ठी आयोजित

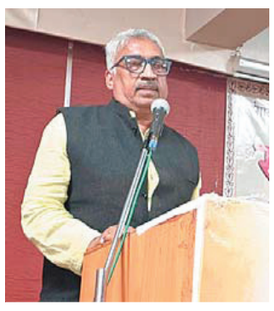

ग्वालियर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही प्रमुख जन गोष्ठियों का उद्देश्य सकारात्मक विमर्श के माध्यम से समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाना है। प्राचीन काल की तरह वर्तमान समय में भी कुछ शक्तियां नकारात्मक विचारों के माध्यम से देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, इसलिए समाज को सतर्क रहकर सामाजिक समरसता बनाए रखना आवश्यक है।

यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के सह संपर्क प्रमुख नवल शुक्ला ने मंगलवार को राष्ट्रोत्थान न्यास के विवेकानंद सभागार में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ शिवाजी नगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर संघचालक पवन चड्ढा ने की। श्री शुक्ला ने कहा कि समाज में उत्पन्न किसी भी समस्या का समाधान आपसी संवाद और सकारात्मक विमर्श से ही संभव है। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में अपने कुछ साथियों के साथ संघ की स्थापना की थी। प्रारंभिक दौर में लोगों ने संघ की उपेक्षा की, बाद में विरोध भी किया, जिसके चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाए गए, लेकिन स्वयंसेवकों ने साहस और दृढ़ता के साथ हर चुनौती का सामना किया।उन्होंने कहा कि वर्तमान में संघ की समाज में व्यापक स्वीकार्यता बढ़ी है और संघ विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रहित में कार्य कर रहा है। श्री शुक्ला ने पंच परिवर्तन के अंतर्गत सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, स्व बोध, नागरिक शिष्टाचार और कुटुंब प्रबोधन को आत्मसात करने का आह्वान किया। वंदे मातरम् गान की प्रस्तुति व्याप्ति उमड़ेकर ने दी। कार्यक्रम का संचालन नगर कार्यवाह मनोज जुनेजा ने एवं आभार नगर संपर्क प्रमुख मुरली सविता ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आत्म बोध से सशक्त होगा देशः शर्मा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण करना है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब भारत आत्म विस्मृति का शिकार हुआ है, तब-तब देश पराधीन हुआ है। इसलिए समाज को आत्म बोध की आवश्यकता है। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य भारत प्रांत के गौ सेवा प्रमुख मधुसूदन शर्मा ने गुड़ा स्थित ओम शांति गार्डन में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ छत्रसाल नगर द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर संघचालक वीरेंद्र सिंह कुशवाह ने की। श्री शर्मा ने संघ के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि वर्तमान में संघ का कार्य देशभर में लगभग 83 हजार स्थानों पर संचालित हो रहा है। उन्होंने हिंदू समाज से संगठित होकर राष्ट्र को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं अतिथि परिचय उमेश शर्मा ने दिया। इस अवसर पर रामगोपाल धाकड़ ने एकल गीत प्रस्तुत किया, जबकि वंदे मातरम् गीत श्रीमती अर्चना द्वारा प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरुण चौहान ने तथा आभार संजय गर्ग ने व्यक्त किया।

संघ कार्य ईश्वरीय कार्य, संस्कृति और मूल्यों से जुड़ना आवश्यकः सबनानी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्य ईश्वरीय कार्य है और समाज को अपनी संस्कृति एवं मूल जड़ों से जोड़े रखने का कार्य संघ निरंतर कर रहा है। यह विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी ने केशव नगर द्वारा गजराराजा स्कूल परिसर स्थित विद्या भारती कार्यालय में आयोजित प्रमुख जन गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में व्यक्त किए। श्री सबनानी ने स्वामी विवेकानंद का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों को विश्व पटल पर स्थापित किया था। आज के समय में भी समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना अत्यंत आवश्यक है और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसी दिशा में कार्य कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता लश्कर जिला संघचालक सुनील पाठक ने की। इस अवसर पर केशव नगर संघचालक हीरालाल मंडेलिया भी मंचासीन रहे।

अभा भवभूति समारोह के आखिरी दिन संस्कृत विद्वानों को किया सम्मानित

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर एवं महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह का समापन संस्कृत विद्वानों के सम्मान के साथ सम्पन्न हुआ।

समापन अवसर पर देशभर से पधारे संस्कृत मनीषियों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में देश के विभिन्न भागों से आए संस्कृत विद्वानों डॉ.अशोक विश्नोई, डॉ.हरेन्द्र भार्गव, डॉ.किरण आर्या एवं एकनारायण ने महाकवि भवभूति के साहित्य पर केन्द्रित अपने शोधपरक आलेखों का वाचन किया।

इस अवसर पर आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में देशभर से पधारे प्रतिष्ठित संस्कृत कवियों डॉ. ऋषिराज पाठक, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी हिमाचल प्रदेश, डॉ.सुज्ञान कुमार माहान्ति नई दिल्ली, एकनारायण पौडेल, डॉ.शिवानी शर्मा कुरुक्षेत्र, डॉ. विष्णु नारायण तिवारी, डॉ. विपिन द्विवेदी, डॉ. बालकृष्ण शर्मा एवं डॉ. वेदव्रत हरिद्वार ने अपनी सशक्त संस्कृत कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ.ऋषि कुमार तिवारी ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का वृत्त कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन के निदेशक डॉ.गोविन्द दत्तात्रेय गन्धे ने प्रस्तुत किया, जबकि आभार प्रदर्शन अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो.जेएन. गौतम ने किया। समापन अवसर पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा अनेक संस्कृत विद्वानों डॉ. भगवत शरण शुक्ल (वाराणसी), डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति (नई दिल्ली), डॉ. बनमाली विस्वाल (प्रयागराज), डॉ. बालकृष्ण शर्मा, डॉ. सविता रस्तोगी, डॉ. कृष्णा जैन, डॉ. विकास शुक्ल, डॉ. वेदव्रत, डॉ. किरण आर्या, डॉ. शिवानी शर्मा, डॉ. ऋषि कुमार तिवारी, डॉ. विपिन द्विवेदी, डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी, डॉ. ऋषिराज पाठक, डॉ. एकनारायण पौडेल सहित ग्वालियर व अन्य नगरों के अनेक विद्वानों को सम्मानित किया गया।

जीवाजी विवि में आईजीओटी कर्मयोगी प्रशिक्षण शुरू

काम को पूजा समझने वाला कर्मयोगी : कुलगुरु प्रो. आचार्य

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

कर्मयोगी वही होता है जो अपने कार्य को पूजा समझकर पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ करता है। हमारा पद हमें महान नहीं बनाता, बल्कि हमारा कर्म ही हमारी वास्तविक पहचान है।

यह बात जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने कर्म योगी प्रशिक्षण के उद्घाटन समारोह में कही। इस अवसर पर उन्होंने सभी को अपने कार्य ईमानदारी से करने की सलाह देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम सेवा, कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है।

मंगलवार को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल के नोडल अधिकारी मयंक भावनानी द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य, कुलसचिव डॉ. राजीव कुमार मिश्र सहित जीवाजी विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर सभी शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारियों का पंजीकरण अनिवार्य है। पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों में से प्रत्येक को अपने कार्यक्षेत्र के अनुरूप कम से कम तीन कोर्स 14 फरवरी तक पूर्ण करने होंगे। इन पाठ्यक्रमों के पूर्ण होने के पश्चात प्राप्त प्रमाण-पत्र शासन को भेजे जाएंगे।

एमिटी में 350 लोगों की निःशुल्क रक्त शर्करा जांच

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

एमिटी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा निःशुल्क ब्लड ग्लूकोज (रक्त शर्करा) जांच एवं मधुमेह जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सा अधिकारी डॉ. शुभम सिंह ने बताया कि मधुमेह एक दीर्घकालिक बीमारी है, जिसमें शरीर इंसुलिन का पर्याप्त उत्पादन या सही उपयोग नहीं कर पाता, जिससे रक्त में शर्करा का स्तर असामान्य हो जाता है। शिविर का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर वीके शर्मा एवं कुलगुरु प्रो. डॉ. आरएस तोमर ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित इस शिविर में निर्माण श्रमिकों, सफाई एवं सुरक्षा कर्मचारियों, फैकल्टी सदस्यों और छात्र-छात्राओं सहित कुल 350 लोगों ने रक्त शर्करा की जांच करवाई। इस अवसर पर प्रो. डॉ. विकास थाडा, प्रो. डॉ. राघवेंद्र शर्मा, डॉ. रचना कट्ठल सहित एनएसएस स्वयंसेवक मौजूद रहे।

एस मल्लेशम अध्यक्ष और अरविंद बने मंत्री

ग्वालियर। भारतीय मजदूर संघ का तीन दिवसीय अखिल भारतीय अधिवेशन जगन्नाथपुरी, उड़ीसा में आयोजित किया गया। अधिवेशन के अंतिम दिन अखिल भारतीय कार्यकारिणी का चुनाव हुआ, जिसमें एस मल्लेशम को अध्यक्ष, सुरेंद्र पांडे को महामंत्री एवं अरविंद मिश्रा को मंत्री का दायित्व दिया गया। अधिवेशन में पांच प्रस्ताव पास किए गए, जिसमें श्रम कानून का बिना किसी अपवाद के सभी श्रमिकों पर सार्वभौमिक रूप से लागू करें और अंत्योदय को साकार करें। ठेका श्रमिकों के शोषण को खत्म करने के लिए कानून में बदलाव किया जाए। आंगनबाड़ी कर्मियों को शासकीय कर्मचारी घोषित करते हुए वेतन एवं सामाजिक सुरक्षा का लाभ प्रदान किया जाए। त्रिपक्षीय तंत्र को पुनर्जीवित कर उसे प्रभावी, व्यावहारिक एवं नियमित किया जाए। इसके साथ ही सभी स्तर की शासकीय जनरल भर्ती पर लगी रोक तुरंत हटाई जाए।

ट्रिपल आईटीएम में ऑनलाइन ठगी से बचने किया जागरूक

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ट्रिपल आईटीएम में मोबाइल साइबर हमलों तथा उनसे बचाव विषय पर पांच दिवसीय शिक्षक अद्यतन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जम्मू के सहयोग से भारत सरकार की इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की सूचना सुरक्षा शिक्षा एवं जागरूकता परियोजना के अंतर्गत किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य मोबाइल आधारित साइबर अपराधों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना रहा। संस्थान के निदेशक प्रो. श्रीनिवास सिंह के मार्गदर्शन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रो. महुआ भट्टाचार्य के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विजयपाल सिंह राठौर ने किया। कार्यक्रम में मोबाइल दुर्भावनापूर्ण सॉफ्टवेयर, ऑनलाइन ठगी, क्यूआर कोड धोखाधड़ी, फिशिंग तथा सुरक्षित डिजिटल व्यवहार पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की उपयोगिता की सराहना की।

विद्युत पेंशनरों का धरना प्रदर्शन आज

ग्वालियर। विद्युत मंडल पेंशनरों को पेंशन की गारंटी एवं केन्द्र के समान महंगाई राहत की मांग को लेकर विद्युत मंडल पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा के प्रांतव्यापी आंदोलन के तहत 11 फरवरी बुधवार को वृत्त स्तर पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसी क्रम में ग्वालियर स्थित रोशनीघर के मुख्य द्वार पर विद्युत मंडल पेंशनर दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक धरना प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन उपरांत मुख्यमंत्री के नाम बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। मप्र विद्युत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन ग्वालियर के कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश शर्मा ने विद्युत मंडल के सभी पेंशनरों से धरना प्रदर्शन में उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने मंगलवार को क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13, 15 एवं 16 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयों में कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की गई, जिसमें कई कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इस पर निगमायुक्त ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

निगमायुक्त ने कर्मचारियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यालय परिसरों में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही नामांकन एवं संपत्तिकर वसूली की प्रगति की समीक्षा कर अधिक से अधिक संपत्तिकर वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी कर्मचारियों को सार्थक एप पर नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश भी दिए।

भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष परांजपे का किया स्वागत

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ग्वालियर प्रवास पर मंगलवार को आईं भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेशाध्यक्ष अश्विनी परांजपे का स्वागत रेलवे स्टेशन से भाजपा कार्यालय मुखर्जी भवन तक विभिन्न स्थानों पर किया गया। स्वागत समारोह भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया एवं महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीलिमा शिंदे के नेतृत्व में हुआ।

इसी क्रम में वीर सावरकर मंडल द्वारा नदी गेट पर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर बंटी बघेल, करुणा सक्सेना, नीरू ज्ञानी, कविता सोनी, सारिका उपाध्याय, नंदिनी गणपुले, उमा कुशवाह, विद्या यादव, रेणु साहू सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लंबित मांगों को लेकर जूडा ने खोला मोर्चा

एक माह में समाधान नहीं हुआ तो करेंगे आंदोलन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने अपनी लंबित मांगों को लेकर मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को जूडा अध्यक्ष डॉ. धुआराम गुर्जर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में जूनियर डॉक्टरों ने महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी समस्याओं से अवगत कराया। जूडा ने चेतावनी दी है कि यदि एक माह के भीतर मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वह उग्र कदम उठाने को मजबूर होंगे।

जूडा अध्यक्ष ने बताया कि मध्य प्रदेश में कार्यरत जूनियर चिकित्सकों को दिल्ली, राजस्थान जैसे अन्य राज्यों की तुलना में काफी कम स्टायपेंड दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा पिछले वर्ष स्टायपेंड में प्रतिवर्ष छह प्रतिशत वृद्धि का जो आश्वासन दिया गया था, वह अब तक लागू नहीं किया गया है। अप्रैल 2025 से लंबित एरियर भी अभी तक जूनियर चिकित्सकों को नहीं मिला है, जिससे आर्थिक परेशानी बढ़ रही है।

इसके अलावा जूडा ने जोखिम भरे कार्य वातावरण को देखते हुए जूनियर चिकित्सकों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि लगातार ड्यूटी, आपातकालीन सेवाएं और संक्रमण का खतरा होने के बावजूद सुरक्षा और बीमा जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं।

इस अवसर पर अधिष्ठाता डॉ. धाकड़ ने चिकित्सकों की मांगों को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि वे इस विषय में वरिष्ठ अधिकारियों एवं शासन को अवगत कराएंगे। ज्ञापन सौंपने के दौरान डॉ. पूजा रावत, डॉ. मोहक पाठक, डॉ. अजय सिंह राजपूत, डॉ. अंकित यादव, डॉ. अमित अग्रवाल, डॉ. प्रियंका दीवान सहित बड़ी संख्या में जूनियर चिकित्सक उपस्थित रहे।

श्रीरंग का 'शिव राग' ओंकारेश्वर में 14 को

ग्वालियर। समग्र भारतीय कलाओं के संवर्धन एवं प्रोत्साहन के प्रति समर्पित श्रीरंग संगीत एवं कला संस्थान के तत्वावधान में 'शिव राग' का आयोजन 14 फरवरी को ओंकारेश्वर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक अशोक आनंद ने बताया कि शिवरात्रि महापर्व के अवसर पर शंकर समारोह में श्रीरंग कलाकार पावन धाम ओंकारेश्वर में 'शिव राग' प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य कलाकारों के रूप में पं.उमेश कंपूवाले, नवनीत कौशल, रिषी जैन, गौरी पाण्डे, डॉ.विकास विपट, जयवंत गायकवाड़, विवेक जैन आदि शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए पूर्वाभ्यास जारी है।

सिटी स्पोर्ट्स

सीनियर प्लेट ग्रुप क्रिकेट में अमित का शानदार शतक

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर प्लेट ग्रुप इंटर डिस्ट्रीक्ट मल्टी डे टुर्नामेंट 2024-25 का आयोजन 9 फरवरी से जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ की विभिन्न 14 टीमें भाग ले रही है। मंगलवार को प्रतियोगिता में 3 मैच खेले गये।

ग्रुप ए का पहला तीन दिवसीय मैच सरगुजा एवं रायगढ़ के मध्य कल्याण कॉलेज मैदान, भिलाई में खेला गया। सरगुजा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। सरगुजा ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 81.1 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर केवल 216 रन बनाये। सरगुजा की ओर से हर्ष दुबे ने 81 रन तथा हरविंदर सिंह ने 61 रन बनाये। वहीं रायगढ़ की ओर से सक्षम दुबे तथा प्रशांत सिंह ने 3-3 विकेट प्राप्त किये।

रायगढ़ ने अपनी पहली पारी में 31.2 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 146 रन ही बनाये। रायगढ की ओर से अभिशेक सेठी ने सर्वाधिक 35 रन तथा प्रषांत सिंह ने 20 रन बनाये। सरगुजा की ओर से सौम्या केशरी ने सर्वाधिक 5 विकेट, आराध्य गुप्ता तथा आयुष सिंह ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।

सरगुजा ने अपनी दूसरी पारी में 81.2 ओवरों में 7 विकेट खोकर 354 रन बनाये तथा पारी घोषित कर दी। सरगुजा की ओर से कृष चोपडा ने 165 रन तथा हर्ष दुबे ने 150 रन नाबाद बनाये। वहीं रायगढ़ की ओर से प्रशांत सिंह ने 4 विकेट तथा हाशिम ने 2 विकेट प्राप्त किये। 424 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायगढ़ की पूरी टीम 63 ओवरों में 254 रन बनाकर ऑल आउट हो गयी। रायगढ़ की ओर से राहुल नायक ने 65 रन तथा प्रशांत सिंह ने नाबाद 57 रन बनाये वहीं सरगुजा की ओर से आयुष सिंह ने 5 विकेट तथा सौम्य केशरी ने 2 विकेट प्राप्त किये। सरगुजा ने यह मैच 171 रनों से जीत लिया। ग्रुप सी का दूसरा तीन दिवसीय मैच कोरिया एवं कवर्धा के मध्य आर डी सी ए मैदान, रायपुर में खेला गया। कोरिया ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। कवर्धा ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 79.1 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 263 रन बनाये। कवर्धा की ओर से दिनेश दास मानिकपुरी ने सर्वाधिक 85 रन तथा नकुल धाकरे ने 73 रन बनाये। वहीं कोरिया की ओर से आकाश शर्मा ने 5 एवं हरविंदर सिंह रैना ने 2 विकेट प्राप्त किये। कोरिया ने अपनी पहली पारी में 60.3 ओवरों में 10 विकेट खोकर 288 रन बनाये। कोरिया की ओर से अमित कुमार यादव ने शानदार शतक लगाते हुये 156 रनों की पारी खेली। उनके अतिरिक्त वैभव बघेल ने 56 रन तथा श्रेयस सिन्हा ने 33 रन बनाये। कवर्धा की ओर से सूर्यकांत तिवारी ने 4 विकेट, शुभम खत्री तथा देव कुमार साहू ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। कवर्धा ने अपनी दूसरी पारी में 60 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 236 रन बनाये। कवर्धा के लिये शुभम खत्री ने नाबाद 60 रन, पुष्पेन्द्र ने 35 रन तथा दिनेश दास मानिकपुरी ने 34 रन बनायें। वहीं कोरिया के लिये अजय कुमार मिश्रा ने 4 विकेट तथा अभिजीत सिंह ने 2 विकेट प्राप्त किये। 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोरिया ने 49.4 ओवरों में 4 विकेट खोकर 213 रन बनाये तथा मैच आसानी से जीत लिया। कोरिया की ओर से घनश्याम केवट ने 90 रन तथा वैभव बघेल ने नाबाद 37 रन बनाये। कवर्धा की ओर से देव कुमार साहू ने 3 विकेट प्राप्त किये। कोरिया ने यह मैच 6 विकेट से जीत लिया।

राष्ट्रीय खेलों में जिमनास्टिक में छत्तीसगढ़ के नवीन का फाइनल मैच आज

रायपुर। 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड 2025 में छत्तीसगढ़ राज्य के ए नवीन साई कृष्णा ने जिम्नास्टिक के आर्टिस्टिक इवेंट में रोमन रिंग के इवेंट में शीर्ष 8 में फाइनल में तीसरे स्थान पर जगह बनाई है। नवीन 12 फरवरी को सुबह 8:30 बजे से आयोजित फाइनल इवेंट्स में हिस्सा लेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य से जिम्नास्टिक कोच लक्ष्मण गुरूंग, राजेश कुर्रे, नयन सोनी, शुभम बारले, सूर्यकांत सोनवानी, चंद्रदीप भारती, अमन साव समस्त छत्तीसगढ़ राज्य के जिम्नास्टिक खिलाड़ियो एवं अन्य आलाधिकारियों में छत्तीसगढ़ राज्य के वरिष्ठ एनआईओएस कोच बिश्वजीत मल्लिक ने शुभकामनाओं के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के उपलब्धि प्राप्त खिलाड़ियों में इंडियन जिमनास्ट रह चुके एकलव्य अवार्ड खिलाड़ी कारण बहादुर गुरूंग एवं विक्रम बहादुर गुरूंग ने भी शुभकामनाएं दी है।

इन लक्षणों का मतलब आपका लिवर हो रहा है डैमेज

हमारा कोई अंग प्रभावित हो रहा हो तो शरीर कर देता है इशारे, त्वचा के बदलावों को बिल्कुल न करें अनदेखा

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पाचन का ठीक रहना जरूरी है और पाचन ठीक रहे इसके लिए आवश्यक है कि आपका लिवर ठीक तरीके से काम करते रहे। लिवर में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का शरीर पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। लिवर, रक्त से विषाक्त पदार्थों को निकालता है, रक्त शर्करा के स्तर को ठीक बनाए रखता है और रक्त के थक्के को नियंत्रित करता है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण लिवर से संबंधित बीमरियों का खतरा अधिक हो सकता है। लिवर में होने वाली समस्याओं पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे लिवर डैमेज होने का भी खतरा हो सकता है। लिवर में होने वाली गंभीर समस्याएं जानलेवा भी हो सकती हैं इसलिए जरूरी है कि शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग का विशेष रूप से ख्याल रखा जाए।

लिवर डैमेज का खतरा

लिवर की कई बीमारियों में शुरुआती स्थिति में कोई भी लक्षण नजर नहीं आते हैं, लिवर डैमेज की स्थिति के साथ भी ऐसा ही है। लिवर डैमेज या सिरोसिस की समस्या जानलेवा हो सकती है, इसलिए इसके कुछ संकेतों को पहचानना जरूरी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर की ज्यादातर बीमारियों के लिए अल्कोहल का सेवन करना प्रमुख कारक माना जाता रहा है, पर जो लोग शराब नहीं भी पीते हैं उनमें भी लिवर की क्षति का खतरा हो सकता है। पीलिया, त्वचा में खुजली और अंगों में सूजन जैसे लक्षण इस बात के संकेत हैं कि आपका लिवर ठीक नहीं है या इसमें कोई बीमारी हो सकती है।

इन लक्षणों पर दें ध्यान

लिवर का प्रमुख कार्य विषाक्त पदार्थों का ब्रेक डाउन करना होता है। लिवर में होने वाली किसी भी प्रकार की बीमारी या लिवर डैमेज की स्थिति में शरीर में विषाक्त पदार्थों के बढ़ने का खतरा हो सकता है। इस तरह की स्थिति में आपको थकान, अस्पष्टीकृत रूप से वजन घटने, भूख में कमी होने और अक्सर उल्टी महसूस होते रहने की समस्या हो सकती है। डॉक्टर से मिलकर लिवर की जांच के माध्यम से इस अंग में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है।

शरीर में बढ़ सकती है सूजन की दिक्कत

लिवर में होने वाली बीमारियों का एक प्रमुख संकेत मूत्र में होने वाली समस्या भी है। आपको पेशाब के रंग में गाढ़ापन या अधिक पीलापन महसूस हो सकता है। लिवर की समस्या के कारण फ्ल्यूड रिटेंशन की भी दिक्कत हो सकती है, जो शरीर के कई अंगों में सूजन की दिक्कत बढ़ाने वाली मानी जाती है, विशेषकर पैरों और टखनों में सूजन की समस्या संकेत है कि लिवर में किसी प्रकार की दिक्कत हो सकती है। इन स्थितियों पर गंभीरता से ध्यान देना आवश्यक हो जाता है।

त्वचा से संबंधित दिक्कतें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर की बीमारियों में त्वचा से संबंधित समस्याओं के विकसित होने का खतरा देखा जाता है। लिवर में समस्या के कारण बिलीरुबिन की मात्रा बढ़ जाती है जिसके कारण आपको पीलिया होने का खतरा हो सकता है। बार-बार पीलिया होते रहना इस बात का संकेत है कि लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है।

इसके अलावा लिवर में होने वाली समस्या के कारण रक्तप्रवाह से विषाक्त पदार्थों की मात्रा बढ़ने लगती है जिसके परिणामस्वरूप थकान, सिरदर्द और त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं।

---

6 पैक एब्स बनाना हो तो इन गलतियों को दोहराने से बचें

6-पैक एब्स दिखाने के लिए शरीर का बॉडी फैट पर्सेंट 10% या उससे कम होना चाहिए। तभी एब्स विजिवल होते हैं। इसलिए जिम में लड़के अक्सर सिक्स पैक एब्स बनाने के लिए जिम जाकर घंटों पसीना बहाते हैं। जिसका मोटा पेट होता है उसके भी एब्स होते हैं, बस उसके एब्स के ऊपर फैट की लेयर आ जाती है। जैसे-जैसे फैट की लेयर हटती जाएगी, वैसे-वैसे एब्स भी दिखने लगते हैं। बेली फैट हर किसी के लिए काफी चिंताजनक होता है। इसलिए लोग फ्लैट टमी के लिए एक्सरसाइज भी करने लगते हैं।

पेट कम करने के लिए एब्स वर्कआउट करें या नहीं? इस बारे में जानने के लिए एक्सपर्ट की सलाह मानना सही रहता है। लेकिन कुछ लोग बिना नॉलेज के 6 पैक एब्स बनाने के लिए एक्सरसाइज के साथ देर तक प्लैंक और क्रंचेस भी करने लगते हैं। वहीं कुछ लोग इंटरनेट पर 30 दिन में 6 पैक एब्स बनाने के तरीके भी सर्च करने लगते हैं। डाइट तो अपनी जगह है लेकिन एब्स एक्सरसाइज के समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। नहीं तो रिजल्ट मिलने में देर हो सकती है या उस एक्सरसाइज का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

यदि कोई घर पर एक्सरसाइज करता है तो वो सबसे पहले पेट कम करने की एक्सरसाइज करता है, जिसमें क्रंचेस, प्लैंक, सिट-अप्स के साथ कुछ पसंदीदा एब्स एक्सरसाइज शामिल होती हैं।

इन एक्सरसाइज को करते समय भी कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, तभी अच्छे रिजल्ट मिलते हैं। इसलिए इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि एब्स एक्सरसाइज करते समय लोग कौन-सी सामान्य गलतियां करते हैं, जो उनकी प्रोग्रेस को रोक सकती हैं।

एक्सरसाइज के समय पानी पीना

वर्कआउट शुरू करने से कम से कम 15 मिनट पहले पानी पीना चाहिए। वर्कआउट के दौरान हर 20 मिनट बाद 8 औंस पानी पीना चाहिए। लेकिन एब्स एक्सरसाइज करते समय पानी नहीं पीना चाहिए, लेकिन अक्सर लोग एब्स एक्सरसाइज के दौरान पानी पीते हैं। एब्स के दौरान पानी पीने से पेट भर जाता है और आप अच्छी तरह एक्सरसाइज नहीं कर पाते। मसल्स भी अच्छे से कॉन्ट्रैक्ट नहीं हो पाते।

हाई रेप्स करना

किसी भी चीज पर ओवर टेंशन क्रिएट करने से मसल्स अधिक ब्रेक होते हैं, जिससे मसल्स रिकवरी में टाइम लग सकता है और मसल्स सोरनेस भी अधिक समय तक रहती है। इसलिए अगर आप एब्स एक्सरसाइज करते हैं, तो मसल्स को ओवर ट्रेन और हाई रेप्स करने से बचाना चाहिए। एब्स एक्सरसाइज करते समय 12-15 रेप्स और 3 सेट कर सकते हैं। एब्स की कितनी एक्सरसाइज करनी है वो आप अपनी फिटनेस लेवल के मुताबिक डिसाइड कर सकते हैं।

फोकस न करना

हर एक्सरसाइज में माइंड मसल्स कनेक्शन जरूरी होता है। लेकिन एब्स एक्सरसाइज को अगर बिना फोकस किया जाए तो मसल्स कॉन्ट्रैक्शन नहीं होगा और मसल्स ट्रेन भी नहीं होंगे। इसलिए मसल्स पर टेंशन क्रिएट हुए महसूस करने से ही एब्स ट्रेन होते हैं।

बार-बार तवे पर टूट जाता है चीला, तो बनाते वक्त इन टिप्स को करें फॉलो

चावल आटे का चीला अक्सर सर्दियों के मौसम में बनाया जाता है। सर्दियों के दिन में जब नए चावल आते हैं, तो उसे पीसकर घरों में चावल आटे का चीला समेत कई तरह की रेसिपीज बनाई जाती है। वैसे तो लोग कभी भी चावल आटे का चीला बनाते हैं, लेकिन ज्यादातर लोग इसे नाश्ता या शाम के वक्त चाय के साथ खाना पसंद करते हैं। देखा जाए तो चावल आटे की चीला बनाना तो आसान है, लेकिन अगर इसके घोल में जरा सी गड़बड़ी हुई कि यह तवे में अच्छे से बनने के बजाए टूटने लगता है। चावल का चीला यदि ठीक से नहीं बनता है, तो बनाने में आलस आने लगता है। ऐसे में यदि आपको चावल आटे का चीला पसंद है और बनाने में परेशानी होती है, तो आज हम आपको मम्मी के बताए हुए कुछ टिप्स बताएंगे। इन टिप्स की मदद से आप आसानी से चीला बना पाएंगे।

ठंडे पानी से बैटर न बनाएं

चावल आटे का चीला जब भी बनाएं घोल में ठंडे पानी का उपयोग न करें। हमेशा गर्म पानी से ही घोल तैयार करें। गर्म पानी से तैयार घोल से चीला टूटता नहीं है। आटा में पहले गर्म पानी डालें और मिक्स करने के बाद सब्जी डालें।

शुरू में ज्यादा पतला घोल न बनाएं

चावल आटे के घोल को शुरू में गाढ़ा रखें, क्योंकि पहला और दूसरा चीला अक्सर टूटता है। बता दें कि तवे में तेल और चीला सेट होने में वक्त लगता है। बाद में यदि गाढ़े घोल को पतला करना है तो गर्म पानी मिलाएं, ठंडे पानी से चीला टूट सकता है।

ज्यादा सब्जी न मिलाएं

कभी भी चावल आटे का चीला (चीला रेसिपी) बनाते वक्त ज्यादा सब्जी जैसे प्याज और टमाटर का उपयोग न करें। ज्यादा सब्जी मिलाने से चीला पलटाने में परेशानी होती है और चीला टूटने की संभावना ज्यादा होती है।

आटे के बजाए चावल भिगोकर बैटर बनाएं

चीला बनाने के लिए आटे का घोल बनाने से ज्यादा बेहतर है कि आप चावल को भिगोकर उसे पीसकर बैटर बनाएं। भीगे हुए चावल से तैयार बैटर से आसानी से चीला बनता है और टूटने की संभावना कम होती है।

तवे में अच्छे से तेल लगाएं

चीला का घोल तवे में डालने से पहले तवे में अच्छे से तेल लगाएं, ताकि चीला पलटाने में आसानी हो। इसके अलावा तवा को अच्छे से धुआं निकलने तक गर्म करें फिर तेल लगाकर घोल डालें। चीला पलटाने से पहले भी चीला के किनारे में अच्छे से तेल डालें, फिर चीला पलटाएं। तेल डालने से चीला आसानी से पलट जाएंगे।

घर में कितने शंख रखना होता है शुभ, जरूर जानिए

घर में शंख रखना हिन्दू धर्म में बहुत शुभ मन जाता है। घर में शंख रखने से न सिर्फ मां लक्ष्मी का आगमन होता है बल्कि घर में सकारात्मकता भी आती है और नकारात्मकता का नाश होता है। घर में शंख रखना हिन्दू धर्म में बहुत शुभ मन जाता है। घर में शंख रखने से न सिर्फ मां लक्ष्मी का आगमन होता है बल्कि घर में सकारात्मकता भी आती है और नकारात्मकता का नाश होता है। हालांकि शंख रखने से जुड़े कई ऐसे नियम भी हैं जो शास्त्रों में वर्णित हैं मगर बहुत कम लोग ही इन नियमों के बारे में जानते हैं या उनका पालन करते हैं। ठीक ऐसे ही कई लोगों के घर में एक से ज्यादा शंख मिलते हैं, कहीं दो तो कहीं पर तीन-चार शंख। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने बताया कि घर में कितने शंख रखने चाहिए या फिर क्या घर में दो शंख रखना शुभ होता है। इसके साथ ही, उन्होंने हमें यह भी बताया कि घर में एक से ज्यादा शंख रखने का कैसा प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर पड़ता है।

घर में दो शंख रखने से क्या होता है?

शास्त्रों के अनुसार, अगर आप पूजा में शंख रखना चाहते हैं तो सिर्फ एक ही शंख रख सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि शंख मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है और मां लक्ष्मी को प्रिय भी है। ऐसे में पूजा के लिए दो शंख होना इस बात को दर्शाता है कि मां लक्ष्मी का स्थान स्थाई नहीं बल्कि अचल है। वहीं, अगर आप शंख पूजा में रखना चाहते हैं और साथ ही, बजाने के लिए भी लाना चाहते हैं तो आप पूजा के लिए एक शंख और बजाने के लिए एक और शंख ला सकते हैं। यानी कि घर में दो शंख रख सकते हैं ।

कार्नर न्यूज जिम कल्चर से दूर भागने वालों को भी जरूरत पड़ती है कैलोरी बर्न करने की

आप दिन भर में बर्न कर सकते हैं 1000 कैलोरी, कुछ आसान तरीके अपनाकर इसे बना सकते हैं संभव

जिम में पैर रखे बिना आप प्रतिदिन 1000 कैलोरी कम बर्न कर सकते हैं और अपने शरीर को बदल सकते हैं। ये सब करने में आपको पसीना जरूर आएगा, लेकिन आपको ये एहसास भी नहीं होगा कि आप कितनी मेहनत कर रहे हैं।

एक घंटा 20 मिनट माउंटेन बाइकिंग

माउंटेन बाइकिंग आपकी मांसपेशियों को आपके ग्लूट्स, क्वाड्स, कोर और बैक को जितना संभव हो उतना कठिन काम करने के लिए पुश करती है और वो भी जिम में की जाने वाली एक्सरसाइज की तरह।

एक घंटे लंबी पैदल यात्रा

किसी भी जिम वर्कआउट की तुलना में हाइकिंग आपके निचले शरीर पर बेहतर काम करती है। निरंतर झुकाव, असमान कदम और आपके वजन के बैकपैक का संयोजन कैलोरी का एक बड़ा हिस्सा बर्न करने में मदद करता है और आपके कार्डियोवैस्कुलर हैल्थ में सुधार करता है।

एक घंटा रॉक क्लाइंबिंग

रॉक क्लाइम्बिंग आपके शरीर की हर एक मसल्स को एक्टिव करती है और इसके परिणामस्वरूप जबरदस्त कैलोरी बर्न होती है। इसके साथ ही आपको मसल्स

बिल्डिंग के लाभ भी मिलते हैं। चूंकि एक्टिविटी के लिए आपको अपनी ग्रिप पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है, जिससे आपकी रोइंग या पुलिंग परफॉरमेंस में भी सुधार आता है।

एक घंटा 25 मिनट फुटबॉल

फुटबॉल माइंड और स्पीड का खेल है। ये खेल जबरदस्त एनर्जी की मांग करता है, जिससे कैलोरी बर्न होती है और जिम में किसी भी उपकरण की तुलना में तेजी से मसल्ड बिल्ड करता हैं।

एक घंटा 30 मिनट बास्केटबॉल

बास्केटबॉल के खेल में शामिल होने वाला रनिंग आपके स्वास्थ्य के लिए चमत्कार कर सकती है। इससे न सिर्फ आपकी मसल्ड बिल्ड होती है, बल्कि ये खेल आपके दिमाग और शरीर के समन्वय में भी सुधार करता है।

एक घंटा 15 मिनट हॉकी

हॉकी खिलाड़ियों के शरीर क्रिकेटरों की तुलना में अधिक बेहतर होते हैं। क्यों? हॉकी का खेल बहुत अधिक बैठने की मांग करता है और आप अन्य खेलों की तरह दौड़ नहीं रहे होते हैं। आप बस बॉल को धकेल रहे हैं। यह आपके ग्लूट, क्वाड और हैमस्ट्रिंग को एक्टिव करता है।

तीन घंटे गोल्फ

अगर आपके पास ऐसा समय है, तो क्यों न अमीरों का खेल खेलें। गोल्फ अन्य खेलों की तरह फिजिकल एक्टिविटी की मांग नही करता। अपने गोल्फ कार्ट के बिना 18 होल्स चलना लगभग 5.6 किमी की यात्रा के बराबर है। 65 से 75 स्ट्रोक के एवरेज राउंड में लगभग चार घंटे लगते हैं, जो आपकी 1,000 कैलोरी बर्न करने के लिए पर्याप्त हैं।

एक घंटा 35 मिनट तैराकी

मध्यम गति से तैरने से आपको कुछ सीरियस कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है। आपके द्वारा जलाए जाने वाली कैलारी की मात्रा आपके साइज, उम्र और बॉडी टाइप से जुड़ी होती है। कुछ ज्यादा कैलोरी बर्न करने के लिए बैकस्ट्रोक की तुलना में फ्रीस्टाइल और बटरफ्लाई आजमाएं।

दो घंटे 30 मिनट डांस

खेलों में रुचि नहीं है तो डांस कीजिए। एक नाइट क्लब में डांस करते हुए पसीने से तरबतर हो जाना (लेकिन हाई कैलोरी, एल्कोहलिक पेय पदार्थों को नहीं पीना है) आपकी कैलोरी बर्न करने में मददगार हो सकता है। डांसर्स का दुबला और टोंड बॉडी होना इसका सबूत है। वॉलीबॉल एक और खेल है, जिससे आपके पूरे शरीर की कैलोरी बर्न होती है। बीच वॉलीबॉल में रेत में चलने में होने वाली परेशनी और गर्मी के कारण आपके शरीर की ज्यादा कैलोरी बर्न होती है।

आईसीसी टी-20 विश्वकप 2026

बास डे लीड के हरफनमौला खेल से नीदरलैंड्स ने नामीबिया को हराया

नयी दिल्ली

बास डे लीड (दो विकेट और नाबाद 72) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने मंगलवार को टी-20 विश्वकप के 10वें मुकाबले में नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसका पहला विकेट तीसरे ओवर में मैक्स ओडाउड (सात) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बास डे लीड ने माइकल लेविट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 30 रन जोड़े। छठे ओवर में बर्नार्ड शोल्ज ने माइकल लेविट को आउटकर नीदरलैंड्स को दूसरा झटका दिया। लेविट ने 15 गेंदों में तीन छक्के एक चौका लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली। कॉलिन ऐकरमैन (32) रन 14वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप में आउट हुये। नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। बास डे लीड ने 48 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 72 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नौ गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 18 रन बनाये। नामीबिया के लिए बर्नार्ड शोल्ज, रुबेन ट्रंपलमन और निकोल लॉफ्टी-ईटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले यहां निकोल लॉफ्टी-ईटन (42) और यान फ्रायलिंक (30) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर नामीबिया ने नीदरलैंड्स के खिलाफ आठ विकेट पर 156 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। नीदरलैंड्स् ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में लॉरेन स्टीनकैंप (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये निकोल लॉफ्टी-ईटन ने यान फ्रायलिंक के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 10वें ओवर में लोगन वैन बीक ने 26 गेंदों में 30 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 13वें ओवर में बास डे लीड ने कप्तान एरार्ड इरास्मस (नौ गेंदों में 18 रन) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। 15वें ओवर में वैन बीक ने निकोल लॉफ्टी-ईटन को आउट कर नामीबिया को चौथा झटका दिया। निकोल लॉफ्ट ईटन ने 38 गेंदों में दो छक्के और एक चौके की मदद से 42 रनों की पारी खेली। जेजे स्मिट (22), जेन ग्रीन (नौ), रुबेन ट्रंपलमन नौ रन बनाकर आउट हुये। नामीबिया ने निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 156 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। नीदरलैंड्स के लिए लोगन वैन बीक और बास डलीडे ने दो-दो विकेट लिये। आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूजीलैंड टीम ने यूएई को दी 10 विकेट से करारी शिकस्त

चेन्नई

टिम साइफर्ट (नाबाद 89) और फिन ऐलन (नाबाद 84) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 28 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद दिया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने यूएई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 15.2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाये 175 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। टिम साइफर्ट ने 42 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 89 रनों की पारी खेली। फिन ऐलन और साइफर्ट के बीच 175 रनों की अविजित साझेदारी हुई। फिन ऐलन ने 50 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए नबााद 84 रन बनाये।

इससे पहले कप्तान मुहम्मद वसीम (नाबाद 66) और आलीशान शराफु (55) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 173 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यूएई की शुरुआत खराब रही

और उसने दूसरे ही ओवर में आर्यंष शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिये। इसके बाद मुहम्मद वसीम और आलीशान शराफु की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने आलीशान शराफु को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। आलीशान शराफु ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। मयंक कुमार 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुये। इसके अलावा हर्षित कौशिक (दो), सोहैब खान (सात) और मुहम्मद इरफान (शून्य) पर आउट हुये। यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने दो विकेट लिये। जेकब डफी, लॉकी फर्गुयुसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पाकिस्तानियों की नौटंकी हुई खत्म

पाकिस्तान ने लिया यू-टर्न, भारत के खिलाफ खेलेगा ग्रुप मुकाबला

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को ग्रुप मैच खेला जाएगा। इसका ऐलान पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को किया। उल्लेखनीय है कि, पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले घोषणा की थी कि उनकी राष्ट्रीय टीम टी-20 विश्व कप में खेलेगी, लेकिन भारत के खिलाफ ग्रुप मुकाबले का बहिष्कार करेगी। हालांकि, अब सरकार ने यू-टर्न ले लिया है।

पाकिस्तान सरकार ने क्या कहा?

पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान पीसीबी, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठकों के नतीजों पर भी चर्चा हुई।

सरकार ने बताया कि बीसीबी की ओर से पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों की समीक्षा की गई, जिन्हें श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अन्य सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त था। इन देशों ने मौजूदा गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया था। पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान का भी उल्लेख किया और कहा कि भाईचारे की भावना के तहत व्यक्त की गई कृतज्ञता को गर्मजोशी से स्वीकार किया गया है। बयान में दोहराया गया कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।इसके अलावा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच टेलीफोन पर बातचीत भी हुई। दोनों नेताओं ने याद किया कि चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मौजूदा विवाद को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया।

इन सभी बहुपक्षीय चर्चाओं और मित्र देशों के आग्रहों को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान सरकार ने अंततः पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश दिया कि वह 15 फरवरी 2026 को होने वाले आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप के अपने निर्धारित मुकाबले में हिस्सा ले।

चोटिल हसरंगा टी-20 विश्वकप से बाहर

मुंबई

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला लगातार जारी है। टूर्नामेंट के बीच में श्रीलंका की टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार स्पिनर हसरंगा चोट की वजह से इस पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। श्रीलंका बोर्ड ने उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया है। हसरंगा हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से इस वर्ल्ड कप से बाहर हुए हैं और उनकी जगह टीम में लेग स्पिनर दुशान हेमंथा को शामिल किया गया है। 28 साल के वानिंदु हसरंगा टी20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंका के पहले मैच के जीत के सबसे बड़े हीरो थे। इस मुकाबले में उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपने कोटे के 4 ओवर में सिर्फ 25 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम थे। हालांकि इसी बीच वो पूरे मैच के दौरान काफी दर्द में दिखे और उन्होंने तकलीफ में ही गेंदबाजी की। उन्हें हैमस्ट्रिंग इंजरी हुई है। मैच के बाद उनका

एमआरआई स्कैन हुआ। जिसमें पता चला कि उनकी चोट काफी गंभीर है।

आईसीसी के 'हंटर' से 10 दिन में बदले पीसीबी के सुर

नई दिल्ली। आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत के साथ खेलने के लिए पाकिस्तान तैयार हो गया है, लेकिन अभी तक उन्होंने इसके आधिकारिक घोषणा नहीं की है। पाकिस्तानी जनता के सामने जाने के लिए उपयुक्त बहाने पाकिस्तान फिलहाल तलाश रहा है, जिसकी वजह से आधिकारिक घोषणा के लिए उन्होंने आज तक का समय मांगा है।

15 फरवरी को कोलंबो में शेड्यूल भारत-पाकिस्तान के इस मैच के बहिष्कार की धमकी देने के करीब 10 दिन बाद पाकिस्तान को आईसीसी के सामने झुकने के लिए नहीं पाई है। आईसीसी ने बेहद ही चतुराई से हालात ऐसे बना दिए कि पाकिस्तान के पास यू-टर्न लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

बता दें कि पूरे विवाद की शुरुआत बांग्लादेश से हुई, जब बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने भारत में टी-20 विश्व कप खेलने से इनकार किया।

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की मांग को ठुकराया,नहीं रह पाएंगे परिवार के साथ

मुंबई

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान भारतीय क्रिकेटरों के साथ उनके परिवारों के ठहरने को लेकर बीसीसीआई ने सख्त रुख अपनाया है। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले टीम इंडिया के खिलाड़ियों ने बीसीसीआई से एक खास मांग की थी, लेकिन बोर्ड ने उनकी उस मांग को ठुकरा दिया है। दरअसल टीम मैनेजमेंट की ओर से बीसीसीआई से पूछा गया था कि भारतीय खिलाड़ी इस वर्ल्ड कप में अपने परिवार के साथ ट्रेवल कर सकते हैं या नहीं। बीसीसीआई ने टीम मैनेजमेंट के इस अनुरोध को बोर्ड ने ठुकरा दिया। बीसीसीआई ने पहले ही अपने पॉलिसी में बता दिया था कि खिलाड़ियों के साथ उनका परिवार कब कितने दिन तक रह सकता है। इसी पॉलिसी के मुताबिक टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान टीम इंडिया के प्लेयर्स के साथ उनके परिवारों को रहने की इजाजत नहीं होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीम मैनेजमेंट ने क्रिकेटरों के परिवारों को उनके साथ रहने की इजाजत मांगी थी। बीसीसीआई इसको लेकर कोई रोक नहीं लगाई, लेकिन उन्होंने इसके लिए एक समय सीमा निर्धारित की हुई है। बोर्ड के नियम के मुताबिक खिलाड़ियों के साथ परिवार ज्यादा से ज्यादा 14 दिनों तक साथ रह सकता है।

क्या बिना बिग थ्री के कंगारू जीतेंगे या आयरलैंड करेगा बड़ा उलटफेर

कोलंबो

2026 टी-20 वर्ल्ड कप का 14वां मैच एक दिलचस्प मोड़ पर है। एक तरफ ऑस्ट्रेलिया है, जो अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ करना चाहता है, और दूसरी तरफ आयरलैंड है, जिसे टूर्नामेंट में बने रहने के लिए हर हाल में यह मैच जीतना होगा।

ऑस्ट्रेलिया: एक नए युग की शुरुआत

ऑस्ट्रेलियाई टीम इस विश्व कप में बड़े बदलावों के साथ उतरी है। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज–मिचेल स्टार्क (रिटायर), पैट कमिंस और जोश हेज़लवुड (चोटिल)–इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं हैं। कप्तान मिचेल मार्श के कंधों पर एक युवा और कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी है। हालांकि, उनकी बल्लेबाजी अभी भी दुनिया की सबसे खतरनाक यूनिट्स में से एक है। ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को तहस-नहस करने की क्षमता रखते हैं। स्पिन विभाग में एडम ज़म्पा श्रीलंका की टर्निंग पिचों पर ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े हथियार साबित होंगे।

आयरलैंड: वापसी की तलाश

आयरलैंड के लिए यह मैच करो या मरो की स्थिति जैसा है। अपने पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ अच्छी स्थिति में होने के बावजूद, टीम 20 रनों से हार गई थी। कप्तान पॉल स्टर्लिंग और युवा सनसनी हैरी टेक्टर को बल्लेबाजी में बड़ी भूमिका निभानी होगी। आयरलैंड के लिए सबसे बड़ी चिंता उनकी फील्डिंग रही है। श्रीलंका के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने सात कैच छोड़े थे, जो ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ भारी पड़ सकते हैं। गेंदबाजी में जोश लिटिल और मार्क एडेयर को शुरुआती झटके देने होंगे।

पिच और परिस्थितियाँ

कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम की पिच पारंपरिक रूप से धीमी और स्पिनरों के अनुकूल मानी जाती है। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, गेंद रुककर आएगी, जिससे बल्लेबाजी कठिन हो सकती है। टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकती है, लेकिन दोपहर का मैच होने के कारण पिच के और ज्यादा सूखने की संभावना है, जिससे बाद में स्पिनरों को और अधिक मदद मिलेगी।

हेड-टू-हेड (टी-20)

दोनों टीमों के बीच अब तक केवल 2 टी-20 मैच खेले गए हैं, और दोनों ही बार ऑस्ट्रेलिया ने जीत हासिल की है।

पाकिस्तान ने अमेरिका को 32 रनों से हराया

कोलंबो

साहिबजादा फरहान (73) और बाबर आजम (46) की शानदार पारियों के बाद उस्मान तारिक (तीन विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने टी-20 विश्वकप के 12वें मुकाबले अमेरिका को 32 रनों से हरा दिया। 191 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अमेरिका के लिए ऐंड्रियस गौस और शयन जहांगीर की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। पांचवें ओवर में मोहम्मद नवाज ने ऐंड्रियस गौस (13) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद कप्तान मोनांक पटेल (तीन) और शयन जहांगीर को शादाब खान ने अपना शिकार बना लिया। शयन जहांगीर ने 34 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के उड़ाते हुए 49 रनों की पारी खेली। 16वें ओवर मे उस्मान तारिक ने मिलिंद कुमार 22 गेंदों में 29 को आउट किया। 19वें ओवर में उस्मान तारिक ने हरमीत सिंह छह को आउट कर अमेरिका को छठा झटका दिया। इसी ओवर में उन्होंने मोहम्मद मोहसिन (शून्य) का भी शिकार कर लिया। अमेरिका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 158 रन ही बना सकी और 32 रनों से मुकाबला हार गई। शुभम रांजने 20वें ओवर में आठवें विकेट के रूप में आउट हुये। शुभम रांजने ने 30 गेंदों में तीन चौके और तीन छक्के लगाते हुए 51 रनों की पारी खेली।

इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच कड़े मुकाबले की उम्मीद

मुंबई

वेस्टइंडीज की टीम बुधवार रात वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड की मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए तैयार है।

इंग्लैंड कागज पर भले ही पसंदीदा टीम हो, इस साल चार मैचों में हारा नहीं है और कैरिबियन पर हाल ही में जीत का इतिहास रहा है, लेकिन टी-20 क्रिकेट में और खासकर जब वेस्टइंडीज अपने सबसे अच्छे फॉर्म में हो, तो कुछ भी हो सकता है। यह केवल एक मैच नहीं है, यह शिमरोन हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवेल के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि वेस्टइंडीज हमेशा से क्रिकेट की धड़कन क्यों रही है। बल्लेबाजी की बात की जाये तो हेटमायर और शाई होप लगातार अच्छा खेल रहे हैं। शाई होप ने इस सीजन में दस पारियों में 264 रन बनाए हैं। रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड बीच के ओवर्स में जबरदस्त खेलते हैं जो कुछ ही गेंदों में मैच का पासा पलट सकते हैं और निचले क्रम में जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड हैं और वे एक ही ओवर में जबरदस्त प्रदर्शन करके हार के मुंह से जीत छीन सकते हैं। वेस्टइंडीज की गेंदबाजी भी उतनी ही खतरनाक है। स्कॉटलैंड के खिलाफ शेफर्ड के पांच विकेट और होल्डर की आईपीएल में भारतीय विकेटों पर पक्की स्किल्स उन्हें असली खतरा बनाती हैं, जबकि स्पिनर अकील होसेन और गुडाकेश मोती ऐसी चालाकी और स्पिन लाते हैं जो इंग्लैंड के बड़े खिलाड़ियों को भी चकमा दे सकती है। इंग्लैंड इस मैच में नेपाल को एक बहुत करीबी ओपनर में हराने के बाद उतरेगा। उनके बैटिंग लाइनअप में फिलिप सॉल्ट और जोस बटलर है। सॉल्ट के अटैकिंग स्ट्रोकप्ले और बटलर की किसी भी सिचुएशन में तेजी लाने की काबिलियत ने इंग्लैंड को लगातार तेज शुरुआत दी है, जिससे मध्यमक्रम को फायदा उठाने का मौका मिला है। जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक बीच के ओवरों में मजबूती देते हैं और अच्छा स्कोरिंग रेट बनाए रखते हैं, जिससे यह पक्का होता है कि इंग्लैंड कभी भी बढ़त न खोए। बेथेल ने पहले मैच में 35 गेंदों पर 55 रन बनाकर टॉप स्कोर किया था, जबरदस्त फॉर्म में हैं, और टाइमिंग और पावर को मिलाकर गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इंग्लैंड की अग्रेसिव सोच इस मैच को रोचक बनाती है।

भोपाल डिवीजन ने 611 रन का स्कोर बनाया

खेल संवाददाता, भोपाल

मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एम. वाय. मेमोरियल ट्रॉफी सीनियर इंटर डिवीजनल मल्टी डे क्रिकेट टूर्नामेंट में भोपाल डिवीजन के कप्तान प्रारब्ध मिश्रा ने शानदार नेतृत्व करते हुए नाबाद शतकीय पारी खेली। फैथ मैदान, भोपाल में खेले जा रहे चार दिवसीय मुकाबले के दूसरे दिन भोपाल डिवीजन ने जबलपुर डिवीजन के खिलाफ पहली पारी में 611 रन बनाकर बढ़त हासिल की। भोपाल डिवीजन ने अपने पहले दिन के स्कोर 5 विकेट पर 370 रन से आगे खेलते हुए 155 ओवरों में 611 रन बनाए। इस दौरान प्रारब्ध मिश्रा ने संयम और आत्मविश्वास के साथ 102 रन की नाबाद पारी खेली। तनिष्क यादव 86 रन और प्रतीक शुक्ला 43 रन बनाकर रन आउट हुए। जबलपुर डिवीजन की ओर से पारुश मंडल ने 4 विकेट लिए, जबकि अंचित ठाकुर और वंदित जोशी को 3-3 विकेट मिले। जवाब में जबलपुर डिवीजन ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 20.2 ओवरों में 1 विकेट पर 78 रन बना लिए। हर्ष मंगलानी 42 रन बनाकर आउट हुए, जबकि वंदित जोशी 32 रन पर नाबाद हैं।

रणजी ट्रॉफी : सेमीफाइनल में बंगाल और जम्मू कश्मीर में होगा मुकाबला

कल्याणी

प्लेयर ऑफ द मैच सुदीप कुमार घरामी (299) की शानदार बल्लेबाजी के बाद शाहबाज अहमद (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बंगाल ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश पर पारी और 90 रनों से जीत दर्ज करते हुए रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के सेमीफाइल में 19वीं बार जगह बना ली है। जहां उसका मुकाबला रविवार को पहली बार क्वालीफाई करने वाली जम्मू कश्मीर से होगा कल यहां आंध्र प्रदेश ने तीन विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। शाहबाज अहमद ने सुबह के सत्र में कप्तान रिकी भुई (30) को आउटकर बंगाल को चौथी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में सूरज सिंधु जायसवाल ने के वी शशिकांत को खाता खोलने का मौका भी नहीं दिया। सौरभ कुमार (एक) शाहबाज का शिकार बने। कालीडिंडी राजू 25 रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये त्रिपुराणा विजय ने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ आठवें विकेट के लिए 85 रन जोड़े और बंगाल के गेंदबाजों के परेशान रखा। 72वें ओवर में शाहबाज ने शतक की ओर बढ़ रहे नीतीश कुमार रेड्डी को अपनी ही गेंद पर आउट कर पवेलियन भेज दिया। नीतीश कुमार रेड्डी ने 144 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 90 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में सुमंता गुप्ता ने त्रिपुराणा विजय (46) को आउट कर 244 के स्कोर पर आंध्रप्रदेश की दूसरी पारी का अंत कर मुकाबला पारी और 90 रनों से अपने नाम कर लिया। बंगाल के लिए 299 रनों की पारी खेलने वाले सुदीप कुमार घरामी को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद ने चार विकेट लिये। सूरज सिंधु जायसवाल को दो विकेट मिले। आकाश दीप, सुमंता गुप्ता और अनुस्तुप मजुमदार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

यूएसए की टीम को लगा तगड़ा झटका, जसदीप सिंह टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

मुंबई

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान की टीम अपना दूसरा मैच यूएसए के खिलाफ खेलने उतरी। इस मैच से पहले यूएसए की टीम की मुश्किलें बढ़ गईं। टीम के तेज गेंदबाज जसदीप सिंह कंधे की चोट के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। 32 साल के जसदीप सिंह को यह चोट 5 फरवरी को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए वॉर्म-अप मैच के दौरान लगी थी। इस मुकाबले में जसदीप एक भी गेंद फेंक नहीं पाए थे। इसके बाद वह वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ यूएसए के पहले टी-20 वर्ल्ड कप मुकाबले में भी टीम का हिस्सा नहीं बन सके। आईसीसी ने जसदीप सिंह के रिप्लेसमेंट के तौर पर एहसान आदिल को यूएसए टीम में शामिल करने की मंजूरी दे दी है।

टीम इंडिया के लिए गुड न्यूज, दो खिलाड़ी हुए फिट, लेकिन अभिषेक हो सकते हैं बाहर

मुंबई

टी-20 वर्ल्ड कप 2026 का 18वां मैच भारत और नामीबिया के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह इस टूर्नामेंट का दूसरा मैच होगा। इस मुकाबले से पहले टीम इंडिया के लिए दो बड़ी खुशखबरी आई है। स्टार ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर जो चोट की वजह से अब तक टीम से बाहर थे, वह अब फिट होकर टीम के साथ जुड़ चुके हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह जो तबियत खराब होने की वजह से पिछला मुकाबला नहीं खेल पाए थे, वह भी फिट हो चुके हैं।

बुमराह ने नेट्स में की रफ्तार भरी गेंदबाजी

भारत और नामीबिया के बीच ये मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मैच से पहले भारतीय टीम 10 फरवरी की शाम को अरुण जेटली स्टेडियम में प्रैक्टिस के लिए पहुंची। टीम इंडिया जब प्रैक्टिस के लिए उतरी उस वक्त मैदान पर जसप्रीत बुमराह नजर आए, जिन्होंने नेट्स में काफी देर गेंदबाजी की। वे बीमार होने की वजह से मुंबई में खेले गए मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे। टीम के कोच रेयान टेन डोएशे ने कहा कि बुमराह ने 10 दिन तक गेंदबाजी नहीं की थी, लेकिन अब वह काफी बेहतर महसूस कर रहे हैं। उन्होंने शुरुआत में हल्की दौड़ लगाई और फिर कप्तान सूर्यकुमार यादव को पूरी रफ्तार से गेंदबाजी की। बुमराह ने इस दौरान भारतीय कप्तान को अपनी रफ्तार से चकमा देते हुए बोल्ड भी किया।

सुंदर ने की बॉलिंग और फील्डिंग प्रैक्टिस

इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर होने वाले वॉशिंगटन सुंदर भी दिल्ली में टीम के साथ जुड़ गए। वो भी पहले मैच से बाहर थे। वह प्रैक्टिस सेशन के दौरान टीम के साथ नजर आए। सुंदर ने आज फील्डिंग पर ज्यादा फोकस किया और बाद में उन्होंने तिलक वर्मा को बॉलिंग भी।

अभिषेक शर्मा हो सकते हैं अगले मैच से बाहर

इस दौरान टीम इंडिया के खेमे से एक टेंशन वाली खबर भी आई। दरअसल ओपनर अभिषेक शर्मा इस वक्त बीमार हैं और वह नामीबिया के खिलाफ मैच से बाहर हो सकते हैं। यहां तक कि टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच रेयान टेन डोएशे ने भी कहा है कि अभी मुकाबले में दो दिन का समय है, देखते हैं कि उनके तबियत में कितना सुधार होता है। अगर वे बुधवार को होने वाले प्रैक्टिस सेशन में नजर नहीं आए तो फिर वे नामीबिया के खिलाफ मैच को मिस कर सकते हैं। हालांकि उम्मीद है कि पाकिस्तान के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच तक वह फिट हो जाएंगे।

विवादों में उलझी भाजपा की जिला कार्यकारिणी हुई होल्ड

कार्यकारिणी में सक्रिय कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर पूर्व भाजपा विधायक के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले को बना दिया महामंत्री

भोपाल (नगर संवाददाता)

लंबे समय से अटकी भाजपा की भोपाल जिला कार्यकारिणी मंगलवार को घोषित होने के बाद विवाद में आ गई। बढ़ते विवाद के बाद प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर कार्यकारिणी को होल्ड कर दिया। भाजपा सूत्रों के मुताबिक अब संशोधन के बाद दोबारा जिला कार्यकारिणी की लिस्ट जारी की जाएगी। भोपाल की जिला कार्यकारिणी विवाद को देखते हुए लंबे समय से अटकी हुई। इसके बाद भी लिस्ट जारी होने के तुरंत बाद विवाद शुरू हो गया। दरअसल कार्यकारिणी में सक्रिय कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर पार्षद और एमआईसी सदस्यों को स्थान दिया गया। सबसे ज्यादा विवाद जिला कार्यकारिणी में महामंत्री बनाए गए सचिन दास बब्बा को लेकर रहा। सचिन दास बब्बा मध्य विधानसभा से सुरेंद्र नाथ सिंह के खिलाफ साल 2013 में निर्दलीय चुनाव लड़े थे। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि इसी वजह से सुरेंद्र नाथ सिंह मध्य विधानसभा से चुनाव हार गए थे। भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने वालों को कार्यकारिणी में स्थान दिए जाने से कार्यकर्ताओं और भाजपा नेताओं ने विरोध कर दिया। बढ़ते विवाद को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के हस्तक्षेप के बाद सूची होल्ड पर रखी गई है। सूत्रों के मुताबिक अब प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश के बाद दोबारा सूची जारी की जाएगी।

37 नामों की जिला कार्यकारिणी हुई थी जारी: प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के निर्देश पर जिला अध्यक्ष रविंद्र यती ने मंगलवार को 37 नामों की कार्यकारिणी घोषित की थी। इसमें आठ उपाध्यक्ष, दो महामंत्री, सात मंत्री सहित अन्य पदाधिकारियों के नाम थे।

पार्षद और एमआईसी सदस्यों को बना दिया पदाधिकारी

भाजपा में एक पद एक व्यक्ति की गाइडलाइन है। इस गाइडलाइन को दरकिनार कर सूची में पार्षद और एमआईसी सदस्यों को पद दिए गए। इससे जिले में भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं की नाराजगी सामने आई। कार्यकारिणी में आशोक वाणी पार्षद, राजू अनेजा पार्षद पति, शिखा मोनू गोयल पार्षद, मनोज राठौर पार्षद, सुषमा बाबिशा पार्षद, पूर्व पार्षद पवन बोराना की पत्नी आरती बोरना और राजेश खटिक पार्षद पति को कार्यकारिणी में पद दिए गए। इसी तरह राकेश कुकरेजा सांसद प्रतिनिधि को उपाध्यक्ष बना दिया। इसके अलावा योगेश परमार, अमन यादव सहित कुछ नाम ऐसे भी हैं, जो सक्रिय भूमिका में नहीं हैं। इससे भी जिला कार्यकारिणी की सूची में विवाद बढ़ा।

सूची से नाम काटे जाने से भी विवाद

कार्यकारिणी घोषित होने से पहले कुछ नाम काटे जाने से भी विवाद बढ़ गया। महेश मकवाना, शंकर मकोरिया, अभय पंडित सहित कुछ नामों को सूची से हटाया गया। इसके अलावा 19 नंबर पर नाम को खाली छोड़ दिया गया। इस तरह के विवादों के चलते कार्यकारिणी को होल्ड पर रखा गया।

पांच महीने बाद जारी सूची, अब होल्ड

भाजपा ने प्रदेश के सभी जिलों की कार्यकारिणी घोषित करने की प्रक्रिया पिछले साल अगस्त में शुरू कर दी थी। जिला कार्यकारिणी के गठन से पहले ऑब्जर्वर बनाए गए थे। प्रदेश के ज्यादातर जिलों की कार्यकारिणी पहले ही घोषित हो चुकी हैं। भोपाल जिले की कार्यकारिणी की सूची 5 महीने बाद मंगलवार को जारी हुई। इसके बाद भी विवादों में आ गई और होल्ड हो गई।

ब्रीफ न्यूज

युवक पर हमला, पीठ में धंस गया चाकू, हालत गंभीर, हुआ ऑपरेशन

भोपाल। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित नवजीवन कॉलोनी में मंगलवार सुबह रंजिश के चलते एक युवक ने दुकान कर्मचारी पर चाकू से हमला कर दिया। पहला वार फरियादी ने हाथ से रोक लिया लेकिन दूसरा वार उसकी पीठ पर जा लगा। चाकू उसकी पीठ में गहराई तक जा धंसा। उसी समय लोगों की भीड़ आता देख आरोपी भाग निकला। गंभीर हालत में युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां ऑपरेशन के बाद उसकी पीठ से चाकू निकाला जा सका। टिम्बर मार्केट छोला मंदिर निवासी दीपक पांडेय (22) चूड़ियों की दुकान पर काम करता है। सोमवार को किसी बात को लेकर उसका नवजीवन कॉलोनी के नमन उर्फ संस्कार पांडेय से विवाद हुआ था। एएसआई प्रेमनारायण वर्मा ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे दीपक पांडेय नवजीवन कॉलोनी स्थित ममता ज्ञान स्कूल के पीछे दुकान पर गुटका लेने पहुंचा था। वहां उसका आमना-सामना नमन उर्फ संस्कार से हो गया। सोमवार को हुए विवाद के चलते नमन ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट करते हुए चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने पहला वार दीपक के गले पर किया लेकिन उसने हाथ से वार रोक लिया, जिससे उसके हाथ जख्मी हो गए।

युवा पीढ़ी में सोचने, समझने और नवाचार करने की अद्भुत क्षमता

भोपाल। सचिव पर्यटन और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड डॉ. इलैया राजा टी ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी में सोचने, समझने और नवाचार करने की अद्भुत क्षमता है। देखो अपना देश ब्रोशर प्रतियोगिता के माध्यम से सभी ने अपनी कल्पनाशीलता, रचनात्मकता और अथक परिश्रम के माध्यम से न केवल अपने जिले और राज्य की पहचान को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया है, बल्कि देश की समृद्ध सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को भी प्रभावशाली ढंग से उजागर किया है। प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी, इंस्टिट्यूट ऑफ़ होटल मैनेजमेंट भोपाल में भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय की एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल देखो अपना देश के अंतर्गत ब्रोशर प्रतियोगिता में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी ने सभी विजेता विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि आपके बनाए गए ब्रोशर यह सिद्ध करते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी में सोचने, समझने और नवाचार करने की अद्भुत क्षमता है। यह उपलब्धि आपके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शराब से 19 हजार करोड़ का राजस्व हासिल करने का लक्ष्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र सरकार के आबकारी विभाग ने आबकारी नीति 2026-27 का ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। शासन की ओर से गठित मंत्रिमंडल समिति ने मंगलवार को कैबिनेट की बैठक के बाद मंत्रालय में नई आबकारी नीति के ड्राफ्ट पर फिर से चर्चा की। बैठक में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा व स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह मौजूद रहे। बैठक में हुई चर्चा के बाद आबकारी नीति के ड्राफ्ट में जरूरी संशोधन कर उसे फायनल किया जाएगा।

सूत्रों का कहना है कि अगली कैबिनेट की बैठक में नई आबकारी नीति को मंजूरी दी जा सकती है। नई आबकारी नीति एक अप्रैल, 2026 से लागू होगी। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक नई आबकारी नीति में मप्र आबाकारी अधिनियम-1915 में संशोधन का प्रावधान किया गया है। इसके अनुसार अधिनियम की वे कंडिकाएं समाप्त की जाएंगी, जो अब अव्यावहारिक हो गई हैं और जिनसे सरकार को अब राजस्व प्राप्त नहीं हो रहा है। नई नीति में शराब दुकानों की बिक्री से राजस्व का लक्ष्य बढ़ाकर 19,500 करोड़ रुपए करने का प्रावधान किया गया है। ज्यादा राजस्व प्राप्त करने के लिए नई नीति में शराब के अवैध निर्माण और अवैध परिवहन को रोकने के लिए सख्त प्रावधान किए गए हैं। नई आबकारी नीति में शराब दुकानों के चालू वित्त वर्ष के मूल्य में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि करके ही दुकानों के आवंटन की कार्रवाई किया जाना प्रस्तावित है। सबसे पहले नवीनीकरण के जरिए दुकानें आवंटित होंगी। फिर लॉटरी के जरिए और इसके बाद ई-टेंडर के माध्यम से शराब दुकानों का ठेका दिया जाएगा।

नहीं खुल सकेंगी शराब की नई दुकानें

नई आबकारी नीति में न कोई शराब दुकान बंद करने का प्रस्ताव है और न ही नई शराब दुकान खोला जाना प्रस्तावित है। आबकारी नीति 2025-26 में प्रदेश के 17 धार्मिक नगरों में शराब दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया गया था। इससे इन शहरों की 47 शराब दुकानें बंद हो गई थीं। नई नीति में पूर्व की तरह नर्मदा किनारे 5 किलोमीटर की परिधि में शराब दुकानें नहीं खोले जाने और धार्मिक व शैक्षणिक स्थलों से शराब दुकानों की दूरी पूर्व की तरह 100 मीटर निर्धारित रखा जाना प्रस्तावित किया गया है। मप्र में शराब दुकानों की कुल संख्या 3,558 है। ये सभी कंपोजिट दुकानें हैं।

केंद्र के अफसरों की मौजूदगी में बैठक के दौरान की नए आपराधिक कानूनों की समीक्षा

भोपाल, प्रसं। केंद्रीय गृह विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में अपर मुख्य सचिव गृह शिव शेखर शुक्ला की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में हुई बैठक में मप्र में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक आंतरिक सुरक्षा की स्थिति और संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। इस दौरान आपराधिक न्याय प्रणाली, फॉरेंसिक व्यवस्था, जेल प्रबंधन, साइबर अपराध नियंत्रण, आतंकवाद निरोध, मादक पदार्थ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन, पुलिस आधुनिकीकरण सहित राज्य से जुड़े अन्य विशिष्ट मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा-2) निष्ठा तिवारी एवं संयुक्त निदेशक अमृता डेस उपस्थित रहीं। समीक्षा बैठक में गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधि एवं विधायी कार्य विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लोक अभियोजन, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र और मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारी भी शामिल हुए।

एफपीपीएएस बना बोझ

राहत से ज्यादा बढ़ोतरी, एक साल में उपभोक्ताओं से 1.83% ज्यादा टैरिफ वसूला

अब एफपीपीएएस में किया गया 1.58 फीसदी का इजाफा, अगले महीने आने वाले बिजली बिल पर पड़ेगा असर

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के सवा करोड़ से अधिक बिजली उपभोक्ताओं से बिजली कंपनियां हर महीने फ्यूल एंड पावर पर्चेस एडजेस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) वसूल रही हैं। इससे प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर राहत से ज्यादा बोझ पड़ने लगा है। पिछले एक साल में एफपीपीएएस के नाम पर 6 बार बिजली के टैरिफ में इजाफा किया गया और 6 बार एफपीपीएएस घटाकर बिजली बिलों में राहत दी गई है। इससे उपभोक्ताओं पर बढ़ोतरी का असर 1.83 फीसदी अधिक रहा।

दरअसल पिछले साल जनवरी से दिसंबर तक टैरिफ में एफपीपीएएस जोड़कर उपभोक्ताओं को बिजली बिल दिए गए है। इस दौरान बिजली बिलों में 13.4 फीसदी का इजाफा हुआ। वहीं अक्टूबर, नवंबर और सितंबर सहित छह महीने एफपीपीएएस के नाम पर टैरिफ में कटौती की गई। इससे बिजली उपभोक्ताओं को 11.57 फीसदी की राहत मिली। यानी पिछले एक साल में बिजली उपभोक्ताओं 1.83 फीसदी अधिक बिल चुकाना पड़ा है। इससे बिजली उपभोक्ताओं को राहत कम ही मिली। अब जनवरी में एक बार फिर एफपीपीएएस में 1.58 फीसदी का इजाफा कर दिया है। इसका असर उपभोक्ताओं को फरवरी की बिजली खपत में दिखेगा, जिसका बिजली बिल मार्च में आएगा। दरअसल बिजली कंपनियां एफपीपीएएस की गणना हर महीने की 24 तारीख को करती हैं। इस साल 24 जनवरी को एफपीपीएएस की गणना की गई। यह एफपीपीएएस 24 जनवरी से 24 फरवरी तक लागू रहेगा।

इस तरह से तय होता है FPPAS

एफपीपीएएस (फ्यूल एंड पावर पर्चेस एडजेस्टमेंट सरचार्ज) वह शुल्क है, जो बिजली कंपनियां ईंधन और बिजली खरीद की लागत में हुए बदलाव की भरपाई के लिए उपभोक्ताओं से वसूलती हैं। इसे कोयला, गैस जैसे ईंधनों की कीमतों में बदलाव, बिजली उत्पादन और बाहरी स्रोतों से खरीदी गई बिजली की लागत के आधार पर तय किया जाता है। देखा जाए तो हर महीने की वास्तविक लागत के आधार पर इसकी गणना की जाती है। एमपीईआरसी के तय नियमों के अनुसार ज्यादा खर्च होने पर एफपीपीएएस बढ़ता है और कम खर्च होने पर एफपीपीएएस घटता या माइनस में जाता है। एफपीपीएएस स्थायी टैरिफनहीं है, बल्कि अस्थायी समायोजन है। बाद में ऑडिट और ट्रू-अप के दौरान अधिक वसूली पाए जाने पर राशि भविष्य के बिलों में घटाई भी जाती है।

अब 10.19 फीसदी टैरिफ बढ़ाने का भी प्रस्ताव

प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को हर महीने एफपीपीएएस के नाम पर भी ज्यादा बिल देना पड़ रहा है। वहीं अब प्रदेश की बिजली कंपनियों ने 6044 करोड़ का घाटा बताते हुए बिजली के टैरिफ में 10.19 फीसदी इजाफा करने की मांग की है। बिजली का नया टैरिफ इस साल 1 अप्रैल से लागू हो जाएगा। बिजली के टैरिफ में हर साल इजाफा किया जा रहा है। आयोग में सुनवाई के आधार पर टैरिफ में इजाफा किया जाएगा। पिछले साल बिजली के टैरिफ में 3.46 फीसदी का इजाफा किया गया था। इस बार बिजली के टैरिफ में पिछले साल से ज्यादा इजाफा हो सकता है।

एफपीपीएएस में इजाफा

अप्रैल 2025	3.46 फीसदी
मई 2025-	2.52 फीसदी
जून 2025	2.36 फीसदी
जुलाई 2025	-2.59 फीसदी
अगस्त 2025	0.97 फीसदी
दिसंबर 2025	-1.5 फीसदी

कुल एफपीपीएएस लगा- 13.4 फीसदी

एफपीपीएएस में कटौती

जनवरी 2025	-0.90 फीसदी
फरवरी 2025	-0.23 फीसदी
मार्च 2025	-0.75 फीसदी
सितंबर 2025	-2.73 फीसदी
अक्टूबर 2025	-4.73 फीसदी
नवंबर 2025	-2.23 फीसदी

एफपीपीएएस में कुल कमी- 11.57 फीसदी

भारतीय रेलवे ने बनाया चालक दल एप

भोपाल। भारतीय रेलवे ने सुरक्षित रेल परिचालन के लिए रनिंग स्टॉफ वाले चालकों के लिए 'चालक दल ऐप' विकसित किया है। रेलवे सूचना प्रणाली केंद्र द्वारा विकसित इस ऐप से लोको पायलट, सहायक लोको पायलट एवं ट्रेन प्रबंधक को रनिंग रूम से जुड़ी शिकायतें सीधे दर्ज करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यह व्यवस्था विभिन्न स्तरों पर निगरानी को सरल बनाते हुए शिकायतों के शीघ्र समाधान में सहायक सिद्ध हो रही है। रनिंग स्टाफ को 'चालक दल ऐप' के माध्यम से ही शिकायत दर्ज करने प्रेरित किया जा रहा है।

8 माह बाद भी कर्मचारियों को नहीं मिल पाया तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता

कर्मचारियों के बीच प्रदेश में फिर गर्माया महंगाई राहत का मुद्दा

प्रतिमाह उठाना पड़ रहा है 465 से 4,230 रुपए तक का नुकसान

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में महंगाई भत्ता और राहत का मुद्दा फिर गर्मा गया है। आर्थिक मामले में पिछले 8 माह से सरकार की उदासीनता पर अब सवाल खड़े किये जा रहे हैं। केंद्रीय कर्मचारियों के मुकाबले भत्ते में 3 प्रतिशत पीछे चल कर्मचारियों ने इसे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की अवहेलना बताते हुए कठोर कदम उठाने की चेतावनी दी है। क्योंकि सरकार की अनदेखी से इनको प्रतिमाह 465 से 4,230 रूपये तक का नुकसान जहां उठाना पड़ रहा है।

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री उमाशंकर तिवारी का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट ने महंगाई भत्ते को कर्मचारी का हक बताया है, लेकिन इस हक से प्रदेश के करीब 12 लाख से अधिक लोग अब तक वंचित है। केंद्रीय कर्मचारियों को जुलाई 2025 से 58 प्रतिशत डीए मिल रहा है, जबकि यहां सिर्फ 55 प्रतिशत ही मिल रहा है। 3 प्रतिशत का यह अंतर महंगाई के इस दौर में प्रत्येक कर्मचारी का बजट बिगाड़ रहा है।

आंदोलन की ओर हो सकता है रूख

इस मामले में सरकार की चुप्पी को देखते हुए प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारी आंदोलन का रूख कर सकते हैं। हालांकि वह अभी सरकार के निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं। बावजूद इसके बताया जाता है कि यदि विधानसभा तक स्पष्ट नहीं हुआ तो इसके बाद यह सड़क पर उतर सकते हैं। क्योंकि पिछले 8 महीनों में कर्मचारी संगठनों द्वारा ज्ञापन, प्रदर्शन और द्वार सभाओं के माध्यम से मांग की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करा चुके हैं। बावजूद इसके अब तक आदेश जारी नहीं किये गये। इससे कर्मचारियों में सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है।

आईएएस को जुलाई में ही दे दिया भत्ता

कर्मचारी संगठन इसलिये भी भेदभाव का आरोप लगा रहे हैं क्योंकि अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों को सरकार ने जुलाई में ही महंगाई भत्ता दे दिया है7 वहीं प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों को लेकर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है।

प्रतिमाह किसको कितना नुकसान

- **कर्मचारी:** 465 से 556 रुपये
- **तृतीय श्रेणी कर्मचारी:** 585 से 1,473 रुपये
- **द्वितीय श्रेणी अधिकारी:** 1,683 से 2,019 रुपये
- **प्रथम श्रेणी अधिकारी:** 2,397 से 4,230 रुपये

2022 से हुई 35 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मध्य प्रदेश के कर्मचारियों को केन्द्रीय कर्मचारियों के बाद ही महंगाई भत्ते का लाभ मिलता है। केन्द्रीय कर्मचारियों को साल में 2 बार (1 जनवरी और 1 जुलाई) से महंगाई भत्ता दिया जाता है। 21 मार्च 2022 से 8 मई 2025 के बीच 35 प्रतिशत तक महंगाई भत्ता बढ़ाया गया है।

सेफर इंटरनेट डे 2026 पर एआई और साइबर जोखिमों को लेकर कार्यक्रम आयोजित

एआई और सायबर के खतरों से सावधान रहें : शर्मा

भोपाल (नगर संवाददाता)

सेफर इंटरनेट डे-2026 के अवसर पर इस वर्ष की निर्धारित थीम 'एआई और उभरते साइबर जोखिम' के तहत राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र (एनआईसी) मध्यप्रदेश राज्य इकाई द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा निदेशालय के आयुक्त अवधेश शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि एआई और सायबर के खतरों से सावधान रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य सूचना विज्ञान अधिकारी कमलेश जोशी ने की।

एआई के खतरों से कराया अवगत

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने पर जोर दिया। वक्ताओं ने बताया कि वर्तमान समय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग जहां विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है, वहीं इसके दुरुपयोग से साइबर अपराधों के नए स्वरूप सामने आ रहे हैं। एआई-सक्षम धोखाधड़ी, डीपफेक तकनीक, वॉयस क्लोनिंग, व्यक्तिगत संदेशों के माध्यम से ठगी और स्वचालित साइबर हमलों जैसे खतरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड बनाएं

विशेषज्ञों ने साइबर स्वच्छता की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने की आवश्यकता पर बल देते हुए मजबूत पासवर्ड का उपयोग, संदिग्ध लिंक या संदेशों से सावधानी, सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा करने से बचाव तथा नियमित रूप से डिजिटल उपकरणों के अपडेट रखने जैसे उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में नागरिकों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक रहना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर बताया गया कि सेफर इंटरनेट डे प्रत्येक वर्ष फरवरी के दूसरे मंगलवार को विश्व के लगभग 160 देशों में मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य नागरिकों को इंटरनेट एवं डिजिटल तकनीक के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सभी जिलों में जिला प्रशासन एवं राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केंद्र के सहयोग से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालयों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों को साइबर सुरक्षा और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के प्रति प्रेरित किया गया।

मंत्रालय में नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन पर की चर्चा

केंद्र सरकार के अधिकारियों ने लिया हिस्सा

विशेष संवाददाता ■ भोपाल

देश में लागू नए अपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन, राज्य में नक्सलवाद, आतंकवाद, मादक पदार्थ नियंत्रण, आपदा प्रबंधन आदि पर मंत्रालय में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक हुई।

अपर मुख्य सचिव गृह शिवशेखर शुक्ला की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गृह विभाग एवं पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विधि एवं विधायी कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, लोक अभियोजन, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तथा मप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने सहभागिता की।

उच्च स्तरीय बैठक का उद्देश्य नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, आंतरिक सुरक्षा की स्थिति तथा संबंधित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा करना रहा। बैठक में भारत सरकार, गृह मंत्रालय की ओर से संयुक्त सचिव (आंतरिक सुरक्षा) सुश्री निष्ठा तिवारी एवं संयुक्त निदेशक सुश्री अमृता डेस, उपस्थित रहीं।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)